

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 40]

नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 5, 1974 (आश्विन 13, 1896)

No. 40]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 5, 1974 (ASVINA 13, 1896)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक 28 अगस्त, 1974

नई दिल्ली-110011, दिनांक 23 अगस्त, 1974

सं० ए० 32013/2/73-प्रशा०-II—केंद्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I के स्थायी अधिकारी श्री बी० के० लाल को, जिन्हें पहले 19-8-74 (अपराह्न) से 19-9-74 (अपराह्न) तक उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया था, अब उन्हें मंत्रिमंडल सचिवालय, वार्षिक और प्रशासनिक सुधार विभाग की अधिसूचना सं० एफ. 4/43/73-सी० एस० (I) दिनांक 9 अगस्त, 1974, द्वारा 15 जुलाई, 1974 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेशों तक उक्त सेवा के चयन ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है। श्री बी० के० लाल 15 जुलाई, 1974 से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहेंगे।

दिनांक 21 अगस्त 1974

सं० ए० 32014/1/74-प्रशासन-III—संघ लोक सेवा आयोग में केंद्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० एन० अरोड़ा को राष्ट्रपति द्वारा, 15 जुलाई, 1974 से 3 अक्टूबर, 1974 तक 81 दिन की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

1—266 GI/74

सं० ए० 32014/1/74-प्रशासन-III—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 28 मई, 1974 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केंद्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एम० पी० गुप्ता को राष्ट्रपति द्वारा, 13 जुलाई, 1974 से 26 जुलाई, 1974 तक 2 मप्ताह की अतिरिक्त अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 4 सितम्बर 1974

सं० ए० 32013/1/74-प्रशा० 1—संघ लोक सेवा आयोग में केंद्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री टी० डी० जोशी को, राष्ट्रपति द्वारा 17-6-74 से 31-7-74 तक 45 दिन की अवधि के लिये उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

श्री टी० डी० जोशी ने 1-8-74 के पूर्वार्द्ध में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया है। श्री टी० डी० जोशी ने अपने प्रत्यावर्तन के बाद संघ लोक सेवा आयोग में 1-8-74 के पूर्वार्द्ध से अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० ए० 32014/1/73-प्रशासन-III—संघ लोक सेवा आयोग में के० सं० से० संवर्ग के स्थायी सहायक तथा स्थानापन्न अनुभाग

अधिकारी श्री पी० सी० मदान को राष्ट्रपति द्वारा, 30 जून, 1974 के अपराह्न में कामिक विभाग के का० जा० सं० 33/12/73—स्थापना (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अधीन, वार्षिक निवृत्ति की आयु को प्राप्त होने पर सरकारी सेवा में निवृत्त होने की अनुमति प्रदान की जाती है।

सं० ए० 38013/2/73-प्रशा० III—कामिक विभाग के का० जा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर, 1973 की शर्तों के अनुसार संघ लोक सेवा आयोग में केंद्रीय सचिवालय सेवा के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एम० वी० वेंटरमन के वार्षिक निवृत्ति आयु प्राप्त होने के कारण राष्ट्रपति द्वारा उन्हें 30 जून, 1974 के अपराह्न में सरकारी सेवा में निवृत्त होने की अनुमति सहर्ष प्रदान की जाती है।

सं० ए० 38013/3/73-प्रशा०-III—राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा आयोग के का० सं० से० संवर्ग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एम० एल० कक्कड़ को वार्षिक निवृत्ति की आयु प्राप्त होने पर कामिक विभाग का जा० सं० 33/12/73-स्था० (क) दिनांक 24 नवम्बर 1973 की शर्तों के अनुसार 31 जुलाई, 1974 के अपराह्न में सरकारी सेवा में निवृत्त होने की अनुमति देते हैं।

एम० आर० भागवत
अवर सचिव
(प्रणामन प्रभारी)
संघ लोक सेवा आयोग

केंद्रीय सतर्कता आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 28 अगस्त 1974

सं० 2/12/73-प्रशासन—केंद्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री शांती सागर, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता को 22 अगस्त, 1974 पूर्वाह्न से अगले आदेश तक केंद्रीय सतर्कता आयोग में स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 सितम्बर, 1974

सं० 2/24/73-प्रशासन—केंद्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् द्वारा श्री पी० डिसूजा, मुख्य अभियंता, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग को 5 सितम्बर, 1974 (अपराह्न) से अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से केंद्रीय सतर्कता आयोग में मुख्य तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

वी० इहो० दिघे
अवर सचिव
केंद्रीय सतर्कता आयुक्त

गृह मंत्रालय

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

महानिरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-110003 दिनांक 9 सितम्बर 1974

सं० ई-38013(1)/2/74-प्रशा० 1—कलकत्ता से स्थानान्तरण होने पर, श्री पी० पी० सिंह, आई० पी० एम० (बिहार

1956) ने दिनांक 1 अगस्त 1974 के अपराह्न में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, पटना, की 9वीं बटालियन के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और श्री ए० वी० चौधरी ने उसी दिनांक के अपराह्न में केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, पटना, की 9वीं बटालियन के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(3)/13/74-प्रशा० 1—केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, की 14वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट श्री वाई० एन० खन्ना ने दिनांक 1 अगस्त 1974 के पूर्वाह्न से पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (पूर्वी क्षेत्र) के सहायक कमांडेंट (कनिष्ठ प्रणामन अधिकारी) पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा।

दिनांक 12 सितम्बर, 1974

सं० ई-38013(3)/13/74-प्रशा० 1—केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली, की नं० 8 बटालियन के सहायक कमांडेंट श्री एन० सी० सूद ने दिनांक 20 अप्रैल, 1974 के पूर्वाह्न से, पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, दिल्ली हवाई पत्तन, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

एल० एस० बिट्ट
महानिरीक्षक

समन्वय निवेशालय पुलिस बेंतार

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1974

सं० ए० 38/3/71-वायरलैस—सर्वश्री एम० ए० टिक् और एम० ए० किनी को दिनांक 1 जुलाई, 74 से 31 दिसम्बर, 1974 तक की अवधि के लिये अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर बिलकुल तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है। अथवा नियमित अधिकारी के नियुक्त होने तक, इसमें से जो भी पहले हो।

छत्तपति जोशी
निदेशक,
पुलिस, दूरसंचार

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 9 सितम्बर 1974

सं० 25/2/73-आर० जी० (एडी०-1)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/2/73-आर० जी० (एडी०-1) दिनांक 13 मार्च 1974 की अनुवृत्ति द्वारा राष्ट्रपति, श्री एच० एस० क्वातरा को 1 सितम्बर 1974 से आगे छः मास के लिए जनगणना कार्य उप-निदेशक, पंजाब, के पद की, पुनः नियुक्ति को सहर्ष जारी करते हैं।

सं० 25/11/73-आर० जी० (एडी०-1)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 25/11/73-आर० जी० (एडी०-1) दिनांक 7 मई 1973 की कण्डिका 2 के औपश्लिष्ट परिवर्तन के अन्तर्गत राष्ट्रपति

सर्व विनिश्चय करते हैं कि श्री अत्तर सिंह अपने सामान्य कार्य के प्रतिरिक्त, जो कि हिमाचल प्रदेश सरकार समय-समय पर नियत करे, पदेन रूप से जनगणना कार्य निदेशक और पदेन जनगणना कार्य अधीक्षक, हिमाचल प्रदेश के पद पर, इसके प्रतिरिक्त आदेश होने तक, पूर्वाह्न 18 अप्रैल, 1973 में कार्य करेंगे।

आर० बी० चारी,
भारत के महापंजीकार
एवं पदेन
संयुक्त सचिव

प्रतिभूति कागज कारखाना होशंगाबाद (म० प्र०)

होशंगाबाद, दिनांक 1974

सं० — श्री कल्याण कुमार चौधरी को
5 सितम्बर 1974 के पूर्वाह्न से सहायक अभियन्ता (यान्त्रिक)
नियुक्त किया जाता है।

पी० एम० शिवराम,
महा प्रबन्धक।

कार्यालय महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व,

नई दिल्ली, दिनांक 3 सितम्बर 1974

सं० प्रशासन 1/5-5/पदोन्नति/74-75/1496—श्रीमान महा-
लेखाकार, केन्द्रीय राजस्व ने इस कार्यालय के एक स्थायी अनुभागा-
धिकारी श्री बी० एल० रूस्तगी को दिनांक 28-8-74 (पूर्वाह्न)
से अगले आदेश होने तक, रु० 840-1200 के समय वेतनमान में
लेखा अधिकारी के रूप में स्थानापन्न तौर पर कार्य करने हेतु नियुक्त
किया है।

ह० अपठनीय
वरिष्ठ उप-महालेखाकार
(प्रशासन)

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय, उड़ीसा

भुवनेश्वर, दिनांक 20 जुलाई 1974

सं० ओ० ओ० सी०-325—महालेखाकार, उड़ीसा ने निम्न-
लिखित स्थायी अनुभाग अधिकारी को अगले आदेश तक इस कार्यालय
के स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद उनके नाम के समक्ष उल्लिखित
तिथि से नियुक्त किया है।

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 10 सितम्बर 1974

सं० 40011(2)/74-प्रशा० ए०—वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख में पेंशन स्थापना को अन्तर्गत किया जाएगा।

क्रम सं०	नाम रोस्टर सं० सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना की अन्तर्गत की तारीख	संगठन
सर्वश्री				
1.	ए० के० मुखर्जी (पी/123)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।
2.	डी० एम० एन० मूर्ति (पी/163)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना) बम्बई।
3.	सीरीमल बमल (पी/206)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-75 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना), देहरादून।
4.	के० गोविन्दन कुट्टी नायर (पी/220)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-11-74 (अपराह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), दक्षिण मद्रास।
5.	मुणीराम जैन (ओ/291)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-75 (अपराह्न)	र० ले० नि० (वायु सेना), देहरादून।

1	श्री ए० वेकट रमन	11-7-74 (पूर्वाह्न)
2	श्री पदम चरण महापात्र	15-7-74 पूर्वाह्न

वी० एम० भारद्वाज,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार
(प्रशासन)।

कार्यालय महालेखाकार उत्तर प्रदेश

इलाहाबाद, दिनांक 6 सितम्बर, 1974

सं० प्रशासन-1/11-144/ XI/(II)/2670— महालेखा-
कार उत्तर प्रदेश (प्रथम), इलाहाबाद में निम्नांकित अनुभाग
अधिकारियों को उनके नाम के सामने अंकित तिथि से अगामी आदेश
पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया
है।— सर्वश्री

1.	आर० पी० भटनागर	24-8-74 (प्रोफार्मा पदोन्नति)
2.	जोगेन्द्र लाल चौधरी	24-8-74
3.	श्यामसुन्दर दाम अग्रवाल	26-8-74
4.	माधव विद्याधर गोरे	27-8-74
5.	जी० एम० भागिया	31-8-74
6.	राम रतन अग्रवाल	27-8-74
7.	के० पी० माथुर	31-8-74
8.	कैलाश चन्द्र अग्रवाल	28-8-74
9.	विशम्भर नाथ चौबे	2-9-74
10.	अचल बिहारी लाल श्रीवास्तव	29-8-74
11.	अज्ञा नन्द	30-8-74 (अपराह्न)
12.	बालेश्वर प्रसाद अग्रवाल	31-8-74
13.	श्रीधर विद्याधर गोरे	28-8-74
14.	तारा चन्द्र श्रीवास्तव	28-8-74

यू० रामचन्द्र राव
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

श्री के० गोविन्दन कुट्टी नायर को उनकी सेवा निवृत्ति से पूर्व 55 दिन की अर्जित छुट्टी तारीख 7-10-74 से 30-11-74 तक प्रदान की गई है।

एस० के० सुन्दरम,
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 18 (1)/73-सी० एन० बी-II/ए०—कृत्रिम रेशमी वस्त्र (उत्पादन और वितरण) नियंत्रण आदेश, 1962 के खंड 12 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से और वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 7 (1)/63-कंट्रोल, दिनांक 20 नवम्बर 1964 को अधिस्तृत करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त के मुख्यालय तथा प्रादेशिक कार्यालयों के सभी अधिकारियों को, जो सहायक निदेशक या सहायक प्रवर्तन अधिकारी की श्रेणी में नीचे के न हों, उक्त आदेश के खंड 10 के अन्तर्गत वस्त्र आयुक्त को प्राप्त शक्तियों का मेरी और से प्रयोग करने का अधिकार देता हूँ।

दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 18 (1)/73-सी० एन० बी०-II/बी०—वस्त्र (शक्ति-चालित करघों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण आदेश, 1956 के खंड II में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 4/1/61-कंट्रोल, दिनांक 31 जनवरी, 1961 से निम्नलिखित सशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के संलग्न मारणी के स्तंभ 2 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्न प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

“वस्त्र आयुक्त के मुख्यालय तथा प्रादेशिक कार्यालयों के सभी अधिकारी जो सहायक निदेशक या सहायक प्रवर्तन अधिकारी की श्रेणी से नीचे के न हों”।

गौरी शंकर भार्गव,
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रशासन शाखा-I)

नई दिल्ली, दिनांक 4 सितम्बर 1974

सं० प्र०-1/1(899)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा, निरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक श्री एन० बी० दत्ता को दिनांक 12 अगस्त, 1974 के पूर्वानुज्ञा से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उप महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान, कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1 (949)/73—राष्ट्रपति, मशीन पर्यवेक्षक श्री जी० एल० चान्दना तथा वरिष्ठ आर्थिक अभ्येक्षक श्री एन० एम० भसीन को दिनांक 28-3-74 व 9-8-74 से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक क्रमशः पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई

तथा उप महानिदेशक (पूर्ति तथा निपटान) कलकत्ता के कार्यालय में सहायक निदेशक (सूचना पुनः प्राप्ति) (ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से तदर्थ तथा अस्थायी आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-6/247(43)/73—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के अधीन भारतीय निरीक्षण सेवा, श्रेणी-1 के ग्रेड-II की इंजीनियरी शाखा में उप निदेशक निरीक्षण बम्बई श्री बी० बी० रंगनेकर दिनांक 31-7-74 के अपग्राह्य से निवृत्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

एस० के० जोशी,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-13, दिनांक 1974

सं० 3 (7)/71 (टी० पी०)/19 बी०—श्री टी० पुण्डरी-काकण्डू को भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में सहायक यांत्रिक अभियंता के रूप में 350 रु० माहवार के न्यूनतम वेतन में 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800 रु० के वेतनमान में, अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 6 जून, 1974 के पूर्वानुज्ञा से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2181 (पी० सी० एम०)/19 बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के श्री प्रयाग चन्द्र मण्डल, एम० एस० सी०, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को इसी विभाग में सहायक रसायनज्ञ के रूप में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो० - 35-880-40-1000-द० रो० - 40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 3 जुलाई, 1974 के पूर्वानुज्ञा से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (आर० एन० एम०)/19 ए०—श्री राधा नन्द सिंह को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० माहवार के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में अन्य आदेश होने तक 14-6-74 के पूर्वानुज्ञा से नियुक्त किया जाता है।

सं० 2222 (एम० के० ए०)/19 ए०—श्री सत्येन्द्र कुमार अवस्थी को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में 650 रु० माहवार के प्रारंभिक वेतन पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में अन्य आदेश होने तक 15-7-1974 के पूर्वानुज्ञा से नियुक्त किया जाता है।

सी० करुणाकरन,
महा निदेशक

**भारतीय सर्वेक्षण विभाग
महासर्वेक्षक का कार्यालय**

नई दिल्ली दिनांक

1974

देहरादून, दिनांक 6 सितम्बर 1974

सं० सी०-4899/718-ए०—श्री जे० पी० शर्मा, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, जिन्हें इस कार्यालय की अधि-सूचना सं० सी०-4828/718-ए० दिनांक 30 अप्रैल, 1974 के अन्तर्गत भारतीय फोटो निर्वाचन संस्थान, देहरादून में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (मा० के० से० II) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया था, को भारतीय फोटो निर्वाचन संस्थान, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में, श्री एच० एल० नन्दा, स्थापना एवं लेखा अधिकारी, जो कि सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर चले गए हैं, के स्थान पर दिनांक 5 अगस्त, 1974 से अगले आदेश दिए जाने तक स्थापना एवं लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियमित आधार पर नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण,
महासर्वेक्षक
(नियुक्त प्राधिकारी)

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 सितम्बर 1974

सं० 15/7/72-सतर्कता—श्री सी० एम० पिल्लै का विस्तार अधिकारी, परिवार नियोजन, आकाशवाणी, त्रिवेन्द्रम के पद से उसी केन्द्र पर सहायक समाचार सम्पादक के अपने संवर्ग के पद पर परावर्तन होने के परिणामस्वरूप उन्होंने 5 अगस्त, 1974 के पूर्वार्द्ध में विस्तार अधिकारी, परिवार नियोजन के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उपनिदेशक
हृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 34-43/73-सी० एच० एम०—केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के जी० डी० ओ० प्रथम ग्रेड के अधिकारी डा० टी० के० बसु ने अपने स्थानान्तरण के फलस्वरूप 31 जुलाई, 1974 को पूर्वार्द्ध में केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अधीन चिकित्सा अधिका-री के पद का कार्यभार त्याग दिया और पहली अगस्त, 1974 को पूर्वार्द्ध में सफ़दरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में उसी पद का कार्यभार संभाल लिया।

जी० पंचापकेशन,
उप-निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1974

सं० 9-1/74-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के प्रशासन और सतर्कता निदेशक ने 31 दिसम्बर, 1973 अपराह्न से कुमारी बिमला मनीह, ट्यूटर, परिचर्या महाविद्यालय, नई दिल्ली का सेवा में त्याग-पत्र स्वीकार किया है।

सुरज प्रकाश जिन्दल
उप-निदेशक प्रशासन
हृते प्रशासन और सतर्कता निदेशक,

सं० 27-4/73-एडमिन-1—स्वास्थ्य-सेवा महानिदेशक ने श्री कृष्णलाल हीरालाल कनौजिया को 10 जून, 1974 पूर्वार्द्ध से राष्ट्रीय मंचारी रोग संस्थान, कालीकट के प्रादेशिक फाइनेरिया प्रशिक्षण और अनुसंधान केन्द्र में सहायक कीट-विज्ञानी के पद पर नियुक्त किया है।

श्री कनौजिया के सहायक कीट-विज्ञानी के पद पर नियुक्त हो जाने के फलस्वरूप श्री एम० एम० वैण्डने ने 10 जून, 1974 पूर्वार्द्ध को उसी केन्द्र में सहायक कीट-विज्ञानी के पद का कार्यभार त्याग दिया।

सं० 11-3/74-एडमिन-1—इस निदेशालय की अधिसूचना सं० 11-3/74-एडमिन 1 (बी०) दिनांक 15 जुलाई, 1974 के क्रम में राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिका-री ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री जी० पंचापकेशन को निम्नलिखित अवधियों के लिए केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है :—

(क) पहली जून, 1974 पूर्वार्द्ध से 18 जून, 1974 अपराह्न तक;

(ख) 20 जून, 1974 पूर्वार्द्ध से 2 अगस्त, 1974 अपराह्न तक।

राष्ट्रपति जी ने श्री जी० पंचापकेशन को उपर्युक्त अवधियों के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक प्रशासन के रूप में भी नियुक्त किया है।

सं० 11-3/74-एडमिन-1 (सी०)—इस निदेशालय की अधिसूचना सं० 11-3/74-एडमिन-1 (सी०) दिनांक 16 जुलाई, 1974 के क्रम में राष्ट्रपति जी ने केन्द्रीय सचिवालय सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री कृष्ण चन्द्र मिश्र को केन्द्रीय सचिवालय सेवा के प्रथम ग्रेड में निम्नलिखित अवधियों के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है :—

(क) पहली जून, 1974 पूर्वार्द्ध से 29 जुलाई, 1974 अपराह्न तक;

(ख) 31 जुलाई, 1974 पूर्वार्द्ध से 2 अगस्त, 1974 अपराह्न तक।

राष्ट्रपति जी ने श्री कृष्ण चन्द्र मिश्र को उपर्युक्त अवधियों के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में उप-निदेशक (प्रशासन) के पद पर भी नियुक्त किया है।

सं० 17-52/72-एडमिन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री इन्दनील चक्रवर्ती को 14 नवम्बर, 1972 पूर्वार्द्ध से 8 मई, 1974 अपराह्न तक खाद्य अनुसंधान और मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद में कनिष्ठ विश्लेषक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

2. स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री इन्दनील चक्रवर्ती को 9 मई, 1974 पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों तक उसी पद पर अस्थायी आधार पर भी नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल,
उप-निदेशक प्रशासन।

कृषि मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक

1974

सं० एफ० 74/15/72-वि०-I—हामिये में दिये गये तथा भारत के राजपत्र भाग III, खण्ड 1, दिनांक 21-7-73 के पृष्ठ 1843 से 1844 में प्रकाशित अधिसूचना के आंशिक रूपांतरण में, उक्त अधिसूचना में श्री एम० पी० भसीन, सहायक विपणन अधिकारी का नाम जहाँ कहीं भी आया है, रद्द समझा जाय।

(सहकारिता विभाग)

सं० फा० 74/15/72-वि० I—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमाशुल्क अधिसूचना सं० (1) एम० आर० ओ० 3184 दिनांक 28 दिसम्बर, 1956 (2) 83 दि० 29 जुलाई, 1961, (3) 3752, दिनांक 26 दिसम्बर, 1955 और (4) 157 दिनांक 22 जून, 1953 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, एन० के० मुरलीधर राव, कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, एतद्वारा श्री जी० एच० धनकर, सहायक विपणन अधिकारी, विपणन और निरीक्षण निदेशालय, अधीनस्थ कार्यालय कानपुर को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से (1) चन्दन तेल, (2) मौतिया तेल, (3) निम्बूघास तेल, (4) खम तेल जो कि समय समय पर संशोधित संग्रह तेल, श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1954 के अनुसार श्रेणीकृत है और जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

सं० फा० 74/15/72-वि०-I—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमाशुल्क अधिसूचना सं० (1) एम० आर० ओ० 3184, दिनांक 28 दिसम्बर, 1956, (2) 83, दिनांक 29 जुलाई, 1961, (3) 3752, दिनांक 26 दिसम्बर 1955 और (4) 157, दिनांक 22 जून, 1963 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, एन० के० मुरलीधर राव, कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, एतद्वारा श्री ए० सी० गुर्जन, सहायक विपणन अधिकारी, विपणन और निरीक्षण निदेशालय, अधीनस्थ कार्यालय कानपुर को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से (1) चन्दन तेल, (2) मौतिया तेल, (3) निम्बूघास तेल, (4) खम तेल जो कि समय समय पर संशोधित संग्रह तेल श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1954 के अनुसार श्रेणीकृत हैं और जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

सं० फा० 3 (13) 52/74-वि० II—वित्त मंत्रालय (राजस्व और बोमा विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० 48, दिनांक 24 मई, 1954, सं० 173, दिनांक 29 दिसम्बर, 1954 और सं० 5 दिनांक 14 जनवरी, 1961 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग

करते हुए मैं, एतद्वारा श्री जी० गोपाला राव, उप प्रबन्ध विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से ऊन, दूधलोम और बकरी के बालों के लिए जिनका श्रेणीकरण क्रमशः ऊन श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम, 1962, दूधलोम श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम, 1973 और बकरी के बाल श्रेणीकरण और चिह्नन (संशोधन) नियम, 1962 के अनुसार किया जा चुका है तथा उनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपलब्धों के अधीन है, श्रेणीकरण प्रमाण पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हूँ।

(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक मितम्बर 1974

सं० फा० 4-5 (26)-74-प्र०-I—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री जे० के० अष्टाचार्य को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन मद्रास में दिनांक 13 अगस्त, 1974 के पूर्वार्द्ध से उन अगले आदेश होने तक स्थानापन्न आधार पर विपणन विकास अधिकारी (जीत अण्डार-शतिलव) नियुक्त किया गया है।

एन० के० मुरलीधर राव,
कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

(कार्मिक प्रभाग)

वम्बई-400-085, दिनांक 24 अगस्त, 1974

सं० पी० ए०/79(9)/74-आर०-4 :—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहाँ के श्री नागराजन वेंकटमुन्नमणियन, एक स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी को कुमारी एच० बी० विजायकर, प्रशासनिक अधिकारी 1, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 1 जून, 1974 के पूर्वार्द्ध से 15 जुलाई, 1974 के अपराह्न तक स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी 1 नियुक्त करते हैं।

सं० पी० ए०/79 (II)/72-आर०-4 :—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहाँ की श्रीमती रोज चेरियन, एक स्थाई आशुलिपिक (वरिष्ठ) को 19 जुलाई, 1974 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेश तक के लिये अस्थायी आधार पर, इसी अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 29 अगस्त, 1974

सं० पी० ए०/79(II)/72-आर०-4 :—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहाँ के श्री बामन सखाराम दीक्षित, एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक और अस्थायी सहायक को 30 मई, 1974 के पूर्वार्द्ध से 18 जुलाई, 1974 के अपराह्न तक इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 अगस्त, 1974

सं० पी० ए०/79 (9)/74-आर०-4 :—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, यहाँ के श्री ० पांडुरंग सांवदीक्षित मोकाशी, एक स्थाई आशुलिपिक (वरिष्ठ) 1 मई, 1974 के पूर्वार्द्ध से 24 मई, 1974 के अपराह्न तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

(पी० उन्नीकृष्णन),
उप स्थापना अधिकारी(भ)

परमाणु ऊर्जा विभाग**राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना**

बाया कोटा, दिनांक 3 सितम्बर 1974

सं० आर० ए० पी० पी०/04621/3/68/65/1184 :—
राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना इंजीनियर, महालेखा कार्यालय, रांची (विहार) के लेखा अधिकारी श्री डी० के० सेन को 10 अगस्त, 1974 के पूर्वार्द्ध से आगामी आदेश तक के लिए इस परियोजना में संयत स्थल (रावतभाटा) पर लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

गोपाल सिंह,

प्रणामन अधिकारी (स्थापना)।

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय**भारत मौसम विज्ञान विभाग**

नई दिल्ली-3, दिनांक 10 सितम्बर, 1974

सं० ई०(1)00893:—बेचशालाओं के महानिदेशक एतद्वारा श्री सन्त प्रसाद को भारतीय मौसम विज्ञान सेवा, श्रेणी II (केन्द्रीय सेवा, श्रेणी-II) में 1 अगस्त, 1974 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों तक अस्थायी रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

श्री सन्त प्रसाद, निदेशक, प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नागपुर के कार्यालय में तैनात किये गये हैं।

नूतन दास,

मौसम विशेषज्ञ,

हले बेचशालाओं के महानिदेशक

कार्यालय, समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क: मध्यप्रदेश एवं विदर्भ

नागपुर-440-001, दिनांक 6 सितम्बर, 1974

प०सं० II(3)1-गोप/74:—श्री औकारनाथ ने, जो पिछले दिनों अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी-I के पद पर बड़ीवा समाहर्ताक्षेत्र में नियुक्त थे, सहायक समाहर्ता के पद पर नियुक्त होने पर, मुख्यालय नागपुर में दि० 27 जुलाई, 1974 के पूर्वार्द्ध में सहायक समाहर्ता, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का पद भार सभाल लिया।

र० ना० शुक्ला,

समाहर्ता।

समाहर्तालय, सीमा व केन्द्रीय उत्पाद शुल्क**(केन्द्रीय उत्पाद शुल्क बिंग)**

कोचीन-3, दिनांक 4 जुलाई, 1974

सी० सं० 11/3/11/74:—स्था०-I:—इस समाहर्तालय के केन्द्रीय उत्पाद शुल्क के (बरीय श्रेणी) निरीक्षक श्री वी० के० चाको को, 6 जून, 1974 के अपराह्न से, स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी-II कयामकुलम एम० ओ० आर०, नियुक्त किया गया है।

जी० शंकरन्,

समाहर्ता।

केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग**(जल स्कन्ध)**

नई दिल्ली-22, दिनांक 5 अगस्त, 1974

सं० क०-19012/430/73-प्रशासन-5 :—इस आयोग की अधिसूचना सं० क०-19012/430/73-प्रशासन-5 दिनांक 13 जून, 1974 के क्रम में अध्यक्ष केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग

एतद्वारा श्री एम० गुहा, अनुसंधान अधिकारी (इंजी०) के पद पर स्थानापन्न क्षमता में केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधान-शाला, पूना में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द०-रो०-40-1200 के वेतनमान में नितान्त अस्थाई तथा तदर्थ रूप में आगामी तीन मास दिनांक 10 जुलाई, 1974 से 3 अक्टूबर, 1974 तक अथवा जब तक यह पद निर्धारित नियुक्ति द्वारा नहीं भरा लिया जाता, नियुक्त करते हैं।

दिनांक सितम्बर, 1974

सं० क०-19012/394/74-प्रशासन-5 :—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग एतद्वारा श्री पी० सी० जैन, बरिष्ठ व्यवसायिक सहायक को केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग (जल स्कन्ध) में अतिरिक्त सहायक निदेशक (सांख्यिकी) के पद पर स्थानापन्न क्षमता में पूर्णतः अस्थाई एवं तदर्थ रूप में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 5 जून, 1974 से 2 जनवरी, 1975 तक अथवा जब तक पद के स्थाई पदधारी श्री डी० पी० मिश्र प्रतिनियुक्ति से वापस आएं और आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के रूप में कार्यभार संभाल लें, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

श्री पी० सी० जैन, ने उपर्युक्त तिथि एवं समय से अतिरिक्त सहायक निदेशक (सांख्यिकी) का कार्यभार संभाल लिया है।

के० पी० बी० मेनन,

अवर सचिव

कृते, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल और विद्युत् आयोग।

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक 29 अगस्त, 1974

सं० 17:—उत्तर रेलवे पर रेल सुरक्षा दल सेवा (सुरक्षा विभाग) में दर्जा-II के सहायक सुरक्षा अधिकारी सर्वश्री सुखदेव सिंह बरार और हरबिलास राय (कार्यमुक्त आपाती कमीशन अधिकारी) को इस रेलवे के उसी विभाग में दर्जा-II सेवा में क्रमशः 7 मई, 1970 और 16 जुलाई, 1971 से स्थायी कर दिया गया है।

सी० एस० परमेश्वरन्,

महाप्रबन्धक।

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पेरामाउन्ट रबर के

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 7 सितम्बर, 1974

सं० 24692/560(3):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर पेरामाउन्ट रबर क० प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एजेन्सी ऐडवर्टाइजिंग

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

दिनांक 7 सितम्बर, 1974

सं० 23714/560(3):—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से

तीन माह के अवसान पर एजेसी ऐडवर्टाईजिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ग्रेहाउन्ड ट्रांसपोर्ट कं० आफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 27608/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर ग्रेहाउन्ड ट्रांसपोर्ट कं० आफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और किसान मित्र फर्टिलाइजर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 26705/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर किसान मित्र फर्टिलाइजर प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मनमहन आयल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 23603/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर मनमहन आयल मिल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गुलाबराय काशीनाथ प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 22097/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर गुलाबराय काशीनाथ प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बिलुराईट कनस्ट्रक्शनस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 27413/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर बिलुराईट कनस्ट्रक्शनस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और पेपर स्टोरस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 13804/560 (3)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर पेपर स्टोरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम

इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एम्बारेस्ट साईन कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 21820/560 (3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर एम्बारेस्ट साईन कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

एत० आर० सरकार,
कम्पनियों के सहायक रजिस्ट्रार,
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 और नरोत्तमदास सगनलाल एग्रीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 6 सितम्बर 1974

सं० 560/410—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, नरोत्तमदास सगनलाल एग्रीकल्चर प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

जे० गो० गाथा,
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात,
अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 और तिरहुत फाईनेन्सींग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 7 सितम्बर 1974

सं० 6 (677) 73-74/2714—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर तिरहुत फाईनेन्सींग कारपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और रांची टेक्सटाईल्स मिल्स लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) के विषय में

पटना, दिनांक 9 सितम्बर 1974

सं० 2 (214) 74-75/2790—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि रांची टेक्सटाईल्स मिल्स लिमिटेड इन लिक्विडेशन का नाम आज रजिस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित कर दी गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और छोटा नागपुर प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पटना, दिनांक 9 सितम्बर 1974

सं० 1 (884) 74-75/2770—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि छोटा नागपुर प्लास्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनियों के निबंधक, बिहार

प्ररूप आई० टी० एन० एम०
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्देश न० मि० आर० 62/2076/73-74 ए० सी० क्यू०
(बी०)---यन, मुझे आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) बंगलूर, आयकर अधिनियम

1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 27 पुराना न० 20, कब्बन रोड, सिविल स्टेशन,
बैंगलूर-1 में स्थित है (और हमारे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शान्ती-
नगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 25-1-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या
उसमें बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती (1) मरियम बेगम रजा उर्फ बीबी मजाला
- (2) शहजादा बेगम शुशतरी "सादात शाहन्म" नं० 13,
आगा अब्दुल्ला रोड, बैंगलूर-25 । (अन्तरक)

2--266 GI/74

2. अशोक ग्रह निर्माता सहकार गंगा निमिटेड, 30/1,
बानी विलास रोड, बैंगलूर-4 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिता पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण .--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

स्थायर सम्पत्ति न० 27 पुराना न० 20, कब्बन रोड, सिविल
स्टेशन, बैंगलूर, (हमारे समेत) दस्तावेज न० 3618/25-1-1974
सीमा .

पूर्व : न० 21, कब्बन रोड--190 फीट

पश्चिम : कम सर्वोत्तम राव की सम्पत्ति--190 फीट

उत्तर : न० 34, इनफयान्ट्री रोड, 98 फीट

दक्षिण : कब्बन रोड--88 फीट

दस्तावेज न० 3618/ता 25-1-1974 ।

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलूर ।

तारीख . 28-8-1974 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 28 अगस्त 1974

निदेश सं० सि०आर० 62/2100/73-74/ए०सी०क्यू० (बी०)---
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
बंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और

जिसकी सं० 154, 155, 156 और 157 है जो चिकबजार रोड,
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर,
बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 18-1-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वी० एन० शनकर पुत्र श्री० एम० नटराजन नं० 6,
ब्रनटन रोड, बंगलूर-25। (अन्तरक)

2. कुमारी टी० एम० गिबशनकरी पुत्री श्री टी० एन०
मानिक्यवेलु नं० 37, नेहरू सर्कल, नेहरू नगर, बंगलूर-29
(अन्तरिती)

3. (1) श्री पी० गोपालन नायर, (2) श्री आर० बी०
सत्यासी, (3) श्री अब्दुल फजल (4) श्री एम० के०
दत्ता। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 154, 155, 156 और 157, चिक-
बाजार रोड, बंगलूर (6, 7 और 7ए मोड़ी मस्जिद रोड मिविल
स्टेशन-पुराना नं० 1, चिकबाजार रोड)।

जगह का क्षेत्रफल 4416 वर्ग फीट

मेल्लर फ्लोर : 3. 20 स्कवयरस

ग्राउन्ड फ्लोर : 24. 44 स्कवयरस

I फ्लोर : 22. 66 स्कवयरस

सीमा :

उत्तर : मोड़ी मस्जिद रोड। दक्षिण : चिकबाजार रोड,

पूर्व : मूलिया नायडू की सम्पत्ति पश्चिम : वकीन्स रोड

दस्तावेज नं० 3517/18-1-74

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर।

तारीख : 28-8-74।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्देश सं० 142/ए० सी० क्यू०-23-208/6-1/74-75—
यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 525 प्लॉट नं० 10 पर खुली जमीन है, जो सम्पत्ति राव कालोनी के पास, रैस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लॉज टायरेल लीथ नं० 43 की ओर से उसके मैनेजिंग ट्रस्टी मनुभाई डाह्याभाई पुरोहित सयाजी गंज, बड़ौदा।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रद्युमन कुमार जंठालाल दामानी 3, गीतम नगर, रैस कोर्स सर्कल, बड़ौदा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 525 में से प्लॉट नं० 10 पर खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 5166 वर्ग फुट है और जो सम्पत्ति राव कालोनी के पास, रैस कोर्स रोड बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के जनवरी 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 317 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, अहमदाबाद।

तारीख : 28 अगस्त, 1974।

मोहर :

ब्रह्म आई० टी० एन० एम० — — —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्देश सं० 143/ए० सी० ब्यू० 23-209/6-1/74-75—

यतः मुझे, पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 525 प्लॉट नं० 11 पर खुली जमीन है, जो सम्पतराव कालोनी, रम कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है (और हमसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-1-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में बर्सी करने या उससे बचने के लिए मुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए मुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लाज टायरेल लीथ नं० 43 की ओर से उसके मैनेजिंग ट्रस्टी मनुभाई डाह्यभाई पुणेहित मयानी गंज, बड़ौदा ।
(अन्तरक)

(2) श्री हेमन्त गोर्धनभाई पटेल गोर्धनभाई हाथीभाई पटेल द्वारा दिनेश मिल्स लि० पादरा रोड, बड़ौदा ।
(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तां :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सर्वे नं० 525, प्लॉट नं० 11 पर खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 5166 है और जो सम्पतराव कालोनी के पास, रम कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के जनवरी, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 315 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

तारीख . 28 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्देश सं० 145/ए० सी० क्यू० 23--211/6-2/
74-75-यनः, मुझे, पी०एन० मित्तल, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 23,000/-रुपए से अधिक है और जिसकी
सं० सर्वे नं० 525, प्लॉट नं० 13 पर खुली जमीन है,
जो सम्पतराव कालोनी के पास, रस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
29-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने
के लिये सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,
छिपाने के लिये सुकर बनाना ।

और यत् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये
है ।

अतः अब, धारा 269-ग के अमुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. लॉज टायरेल लीथ नं० 43 की ओर से उसके मैनेजिंग
ट्रस्टी मनुभाई डा. भाई पुणेहित, वकील सयाजी गंज,
बड़ौदा । (अन्तरक)

2. श्रीमती चंचल बेन, अम्बालाल पटेल,
नोखण्ड वाला बिल्डिंग,
प्रताप नगर, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सर्वे नं० 525, प्लॉट नं० 13 पर खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल
5048 वर्ग फुट है और जो सम्पतराव कालोनी, रस कोर्स रोड,
बड़ौदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के
जनवरी, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 313 में प्रवर्णित है ।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज II, अहमदाबाद ।

तारीख : 28 अगस्त, 1974 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद दिनांक 28 अगस्त 1974

निदेश सं० 148/ए०सी०क्यू०-23-214/6-1/74-75—
यतः मुझे पी० एन० मित्तल सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II अहमदाबाद, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे
नं० 525 प्लॉट नं० 16 पर खुली जमीन है, जो सम्पतराव
कालोनी के पास, रैम कोर्स रोड, बड़ीदा में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बड़ीदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 29-1-1974 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के
अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उससे बचाने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था
छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किये गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लॉज टायरेल लीथ मं० 43 की ओर से उसके मैनेजिंग ट्रेडरः
मनुभाई डाह्याभाई पुरोहित,
सयाजी गंज, बड़ीदा ।

(अन्तरक)

2. मोहनलाल काशीभाई पटेल,
सरदार भवन के पास,
जुबली बाग, बड़ीदा ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सर्वे नं० 525, प्लॉट नं० 16, पर खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल
4836 वर्ग गज है और जो सम्पतराव कालोनी के पास, रैम कोर्स रोड,
बड़ीदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ीदा में
जनवरी, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 319 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मित्तल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 28-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्देश सं० 147/ए०सी० वयु० 23-213/6-1/74-75—

यतः मुझे, पी० एन० मिश्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 525, प्लॉट नं० 15 पर खुली जमीन है, जो सम्पतराव कालोनी, के पास, रस कोर्स रोड, बड़ौदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय बड़ौदा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. लॉज टायरेल लीथ नं० 43 की ओर से उसके मैनेजिंग ट्रस्टी मनुभाई डाह्याभाई पुरोहित, सयाजी गंज, बड़ौदा ।

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रकान्त सन्येन्द्र प्रसाद, मैनेज चन्द्र कान्त नगर शेठ, प्रताप रोड, रायपुर, बड़ौदा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सर्वे नं० 525 में से प्लॉट नं० 15 पर खुली जमीन जिसका क्षेत्रफल 5084 वर्ग फुट है और जो सम्पतराव कालोनी, के पास, रस कोर्स रोड, बड़ौदा पर स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बड़ौदा के जनवरी, 1974 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 311 में प्रदर्शित है ।

पी० एन० मिश्र,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 28-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बंगलूर, दिनांक: 22 अगस्त 1974

मं० मि० आर० 62/2027/73-74 एन्वू० (बी०):—
यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी मं० 9 है, जो 19 क्राम, मल्लेश्वरम्, बैंगलूर-3 में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजाजीनगर, बैंगलूर-10 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-1-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जी० वी० एन० आचार्य, सपुत्र स्व० जी० श्रीनिवास मूर्ति नं० 1028, 5 ब्लाक, राजाजीनगर बैंगलूर-10। (अन्तरक)

2. श्री बी० पी० श्रीधर सपुत्र वी० ए० पार्थसारथी अय्यन-गार नं० 8, 19 क्राम रोड, मल्लेश्वरम्, बैंगलूर-3। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्पोरेशन नं० 9 (मुनिमिपल नं० 29/580 पुराना)
19 क्राम, मल्लेश्वरम्, बैंगलूर-3
सैट की सीमा 6825 वर्ग फीट
पूर्व पश्चिम 65 फीट है } उत्तर मुख
उत्तर दक्षिण 105 फीट } दक्षिण कनगरवैनमो

दम्नावेज नं० 3944/2-1-174।

आर० कृष्णमूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 22-8-1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 4 मितम्बर 1974

निदेश सं० 34-एस०/अर्जन—यतः, मुझे के० एन० मिश्रा, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० — है जो श्रीमतीनाबाद, लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सईदुनिसा और अन्य

(अन्तरक)

2. श्री सुनील कुमार और अन्य

(अन्तरिती)

3. श्री सुगना मल

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता दो मजिला मकान जिसका माप 55×15 है और जो श्रीमतीनाबाद, लखनऊ में स्थित है ।

के० एन० मिश्रा,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 4-9-74

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 2 मितम्बर 1974

सं० निर्देश सं० 9/5/75/73-74---यतः, मझे के० वि० राजन आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 254/256-गन० एम० सी० ब्रोम रोड, मद्रास-1 है, जो मे स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय मौकारपेट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है : ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्रीमती एतिसा बाइ जफार अनि रहिम (अन्तरक)

(2) श्री ए० एन० कुप्पुर्वाणि शोट्ट, पार्क टाउन, मद्रास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है, तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-I एन० एम० सी० ब्रोम रोड, 254/256 में 1645 स्क्वायर फीट का एक मकान जिसका आर० एम० सं० 11029।

के० वि० राजन

गक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 2-9-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, तारीख 2 मितम्बर, 1974

निर्देश सं० अर्जन ड० सं० 3/425/74-75—यतः, मुझे
आर० जी० नेरूरकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० प्लॉट नं० 162 मर्वे सं० 161 है, जो गोरेगांव
(पश्चिम) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब
रजिस्ट्रार का कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 24-1-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, रजिस्ट्री-
कृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मंसर्स लक्ष्मी एम्बेमटोम प्रोडक्ट्स लि०,
श्रीनिवास हाऊस, बौडवाय रोड,
फोर्ट, बम्बई। (अन्तरक)

2. श्री श्याम सुन्दर कामाट,
केअर आफ आंध्र प्रदेश पेपर मिल्स लि०
श्रीनिवास हाऊस, (अन्तरिती)
एच० सौमानी मार्ग, बम्बई।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-
द्वारा कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का वह तमाम टुकड़ा जिसका प्लॉट नं० 162 गांव
पहाड़ी गोरेगांव (पश्चिम) तालुका बोरीवली, रजिस्ट्रेशन उप-
जिला बान्द्रा, जिला बम्बई उपनगर अभी बृहत्तर बम्बई में स्थित
मौजूद और पड़ा हुआ है जिसका सवक्षेत्र नं० 161 (अंश)
और माप में 950 वर्गगज समकक्ष 794.32 वर्गमीटर है और
इस प्रकार घिरा हुआ है अर्थात् पश्चिम की ओर से प्लॉट नं०
172 द्वारा, पूर्व की ओर से 30 फीट चौड़े मार्ग द्वारा, उत्तर की
ओर से अंशतः प्लॉट नं० 163 द्वारा और दक्षिण की ओर से
60 फीट चौड़े महात्मा गांधी रोड द्वारा।

आर० जी० नेरूरकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 2-9-74

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन ई० सं० 3/412/74-75--यत, मुझे श्री आर० जी० नेरुरकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० 177, सर्वे सं० है, जो गोरे गाव (पश्चिम) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार का कार्यालय बम्बई में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 मैसर्स लक्ष्मी अम्बैमटोस प्राइवेट लि०
श्रीनिवास हाऊस,
चौथी मजील हजारीमल सोमानी मार्ग
फोर्ट बम्बई क्र-1

2 श्री गोविन्ददास गंगादास मोहता
75/79 ओल्ड हनुमान लेन बम्बई न० 2

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहीया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरितियों को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 177, सर्वेक्षण सं० 161, एम० जी० रोड, बान्गुर नगर गोरेगाव (पश्चिम) बम्बई 62। जो माप में 1360 वर्गगज है।

आर० जी० नेरुरकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-3 बम्बई।

तारीख 2-9-74
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2 बम्बई ।

बम्बई, दिनांक 2 सितम्बर 1974

निर्देश सं० आई० 2/958/1998/74-75—यतः, वि० र० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नं० 2अ० हि० नं० 4, 6अ० 6 ब० और 20 सी० बी० सं० नं० 120 सं० नं० 2अ०, हि० 5अ०, और 5ब०, और सीटी सं० 120 है, जो जुहू गांव में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-1-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विवेक के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती चन्द्राबाई ए० बी० नायर (अन्तरक)
 2. दि इन्टरनेशनल सोसाएटी फॉर कृष्णा कान्शसनेस (अन्तरिती)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की

तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैग के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों, की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्रथम : वे सभी टुकड़े या कृत्रिम भूमि का भाग जो माप में करीबन 14:352 वर्गगज समकक्ष 12056 वर्गमीटर या आसपास माप में इमारत या बंहा पर बने संरचनाएं जिसका सर्वेक्षण नं० 2 एण्ड हिस्सा नं० 4, 6 ए०, 6 बी० और 20 और सिधे सर्वेक्षण नं० 120 गांव जुहू रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर बृहत्तर बम्बई में है और पश्चिम में अण रोड के द्वारा और अणतः सर्वेक्षण नं० 2ए०, हिस्सा नं० 5 ए० और 5 बी०, पूर्व में खाड़ी (सर्वेक्षण नं० 70 ए०) द्वारा उत्तर में सर्वेक्षण नं० 3, सर्वेक्षण नं० 2 ए०, हिस्सा नं० 7 बी० 7 ए० और सर्वेक्षण नं० 3 बी० और 3 ए० द्वारा और दक्षिण में सर्वेक्षण नं० 2 ए०, हिस्सा नं० 2 और 3 और साथ में संलग्न प्लान में खींची गयी और चिन्हित लाल रंग की सीमा रेखा द्वारा घिरी हुई और म्युनिसिपल कारपोरेशन बृहत्तर बम्बई द्वारा 'के' वार्ड नं० 10099-आर० 273, के०-10161 (13) के-10162 (1 से 3) और के 10163 (1 से 3 तक) के अन्तर्गत निर्धारित है, द्वारा घिरा हुआ है ।

द्वितीय : वे सभी टुकड़े या जमीन का भाग माप में करीबन 5657 वर्गगज समकक्ष 752 वर्गमीटर या आसपास जिसका सर्वेक्षण नं० 2 ए०, हिस्सा नं० 5 ए० और 5 बी० और सिटी सर्वे नं० 120, गांव जुहू, रजिस्ट्रेशन उपजिला और जिला बम्बई नगर और बम्बई उपनगर, बृहत्तर बम्बई में है और पश्चिम में रोड द्वारा, पूर्व में सर्वे नं० 2 ए०, हिस्सा नं० 4, 6 ए० और 6 बी० द्वारा, अन्तर में सर्वे नं० 2 ए० हिस्सा नं० 2 सी० और दक्षिण में सर्वे नं० 2 ए० हिस्सा नं० 3 और संलग्न प्लान में खींची गई और हरे रंग की सीमा रेखा द्वारा घिरी हुई और बृहत्तर बम्बई म्युनिसिपल कारपोरेशन, बृहत्तर बम्बई, द्वारा के वार्ड नं० 10163 (5), के०-10100 (2) के-10100 (1) और के० 10160 के अन्तर्गत निर्धारित है द्वारा घिरा हुआ है ।

वि० र० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 2-9-1974 । सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोहुर :

अर्जन रेंज-2 बम्बई ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 सितम्बर 1974

निर्देश सं० अर्जन ड० सं० 3/456/74-75—यतः, मुझे श्री आर० जी० नेरुरकर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सर्वे सं० 24, हिस्सा सं० 7 है, जो मालाड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब-रजिस्ट्रार का कार्यालय बांद्रा बम्बई।

मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-1-74

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मोतीभाई नेगेन भाई पटेल,
अलका भाव रोड,
मालाड (प०) बम्बई-64 (अन्तरक)
2. पारस बिन्दर्स,
1/14अ०, हरहरवाला बिन्डिंग एस०
वी० पी० रोड, बम्बई-4। (अन्तरिती)
3. श्रीमती विमलाबेन के० पटेल,
भूदाम केमिकल, मोती उद्योग,
गमचन्द्र लेन, मालाड, बम्बई-64। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्-द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जायेगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वे सभी टुकड़े या परती जमीन का भाग या जमीन जिसका सर्वेक्षण नं० 24, हिस्सा नं० 7 (अंश) प्लॉट नं० 13 बी० मोती उद्योग नगर का एक भाग जिसका नया सी० पी० एस० नं० 348 अंश जो गांव बालन (मालाड), बृहत्तर बम्बई, रजिस्ट्रेशन उपजिला बांद्रा, तालुका बोरीवली जिला बम्बई उपनगर अभी बृहत्तर बम्बई में स्थित और मौजूद है माप में कुलक्षेत्र 765 वर्गगज समकक्ष 639.64 वर्गमीटर या आसपास है और इस प्रकार किस हुआ है अर्थात् अन्तर की ओर से सर्वेक्षण क्र० 24 हिस्सा क्र०-5 की जायदाद द्वारा दक्षिण की ओर से रोड द्वारा, पूर्व की ओर से सर्वेक्षण क्र०-24 हिस्सा क्र०-7 द्वारा और पश्चिम की ओर से सर्वेक्षण क्र०-24 हिस्सा क्र०-7 (अंश) द्वारा।

एन० जी० नेरुरकर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई।

तारीख : 2 सितम्बर, 1974

मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्देश सं० सी० ए० 5/कल्याण/जान-74/133/74-75—

यतः, मुझे जी० कृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 113, प्लॉट नं० 5 है जो मौजे डोबिवली डोबिवली, जिला ठाना, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कल्याण में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30 जनवरी, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विट्ठल गोविन्द कानिटकर,
मार्फत डा० आर० व्ही० कानिटकर,
ग्रन्ट एण्ड पोस्ट देवमुख, जिला रत्नागिरी। (अन्तरक)

2. श्री श्रीकान्त मनोहर भांडारकर
रविप्रभा, शास्त्रीनगर, डोबिवली (वेस्ट),
जिला ठाना।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सं० झ० 113, प्लॉट सं० 5 मौजे डोबिवली में।

घर जो 1965 में बांटा है। मिर्फ पट्टला मंजल।

बिल्ट अप क्षेत्र :— 476 वर्ग यार्ड्स

कुल क्षेत्र : 2327 वर्ग यार्ड्स

जी० कृष्णन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 28-8-1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

54 रफि अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० १० सी०-95/आर०-IV/कल०/74-75---

यत, मुझे जार्ज वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है और जिसकी लम्बाई होल्डी सं० 74 है, जो भाटपाठा ग्युनिस्मिपलिटि, 24 परगना में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ ऐश्योरेन्स, कलकत्ता में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-1-1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 हिन्दुस्थान वायर एण्ड मेटल प्रोडक्ट्स लिमिटेड, जिकको हाउस, 1 और 2 हेयार स्ट्रीट कलकत्ता-1

2. दि नेशनल इन्सुलटेड केबल को० आफ इण्डिया लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिम्मे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कारखाना प्रेमिसेस और जमीन परिमाण लगभग 4 बिघा 19 कट्टा 3 छटाक 22 स्क्वेयर फिट, होल्डी सं० 74 भाटपाठा ग्युनिस्मिपलिटि, 24 परगना, कारखाना में डस, खाली जमीन और मगिनरी, हस्तांतरण कि दलील में और बिस्तृत रूप में वर्णित।

जार्ज वर्गिस

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख : 31-8-1974

मोहर :—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 27 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० सी०-94/कल०/आ०-IV /74-75—
यतः, मुझे जार्ज वर्गिस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी डांग सं० 38, 146, 41, 70, 88, 89 है जो भाटरा, बारासत में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रार बारासत में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-266GI/74

1. श्री अनिमेश चन्द्र चक्रवर्ति, पिता-मृत प्रबोध चन्द्र चक्रवर्ति,
पता—भाटरा रमेश पल्ली, बारासत (अन्तरक)

2. श्री अमृत्य चन्द्र पाल, श्री गोपी नाथ पाल, श्री बादल
कुमार पाल, श्री अमलेन्दु पाल

सबका पता—भाटरा पल्ली, बारासत (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भाटरा, बारासत में डांग सं० 38, 146, 41, 70, 88, 89 के 8½ डेसिमल जमीन और उस पर मकान जैसे के अन्तरण के दलील में वर्णित।

जार्ज वर्गिस
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

तारीख :— 27-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अगस्त 1974

निर्देश सं० 887/73-74—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० 1, अडयार ब्रिज रोड, मद्रास-28 है, जो मैलापुर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिधारी के कार्यालय, मैलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री एम० के० हजिबुल्ला और एम० एम० कार्स विस्वनाथन, मद्रास-28 (अन्तरक),

(2) श्री के० पुरुषोत्तमन, मन्नाम ग्रन्थिमिनियम निमित्तेड मेट्टुर, मेलेम जिला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे ये अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास-28 अडयार ब्रिज रोड, प्लॉट सं०-1 में 3 ग्राउण्ड और 27 स्क्वेयर फीट की खाली भूमि जिसकी आर० एम० सं० 4274/1 है ।

ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी

तारीख : 30-8-74 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
मोहर : अर्जन रेंज-II, मद्रास

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 30 अगस्त 1974

निर्देश सं० 1107/74-75—यतः, मुझे ए० रागवेन्द्र राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी प्लॉट सं० 2, आर० एम० सं० 4274/1 मैलापुर, मद्रास है जो मैलापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता/प्राधिकारी को कार्यालय, मैलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-5-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० के० हबिबुल्ला और श्री एम० एस० कासि विस्वनाथन, मद्रास-28 ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० वि० मनि, 24, माड चर्च रोड, सान्तोम, मद्रास-28 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती की दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

एल० ए० 37/1966 में प्लॉट सं० 2 में खाली भूमि (2 ग्राउण्ड और 2398 स्क्वेयर फीट) जिसकी आर० एम० सं० 4274/1, मैलापुर, मद्रास ।

ए० रागवेन्द्र राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II मद्रास

दिनांक : 30-8-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० एसआर०/बटाला/ए० पी०-1129/74-75—यतः
मुझे डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का
43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5150
जनवरी, 1974 में लिखा है, जो माऊथ ईस्ट गांव फैजपुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बटाला में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जसवंत सिंह पुत्र श्री नत्था सिंह पुत्र श्री फूला मल गांव
फैजपुर त० बटाला। (अन्तरक)

2. श्री कस्तूरी लाल, सुखदेव कुमार पुत्र श्री सुंदर दाम अग्रवाल
पुत्र श्री बंसी लाल मारपंत मंसार इंजिनियरिंग कम्पनी, अलीवाल
रोड, बटाला। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानमा है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5150 जनवरी,
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, बटाला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख 31 अगस्त, 1974
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 अगस्त, 1974

निर्देश सं० एम०आर०/जालंधर/ एपी-1130/74-75—यतः

मुझ, डी० एस० गुप्ता [आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8659 जनवरी, 1974 में लिखा है, जो प्लॉट नं० 30 शहीद उधम सिंह नगर जालंधर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) अधीन जनवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रोशन सिंह पुत्र श्री बख्तर सिंह, मोहल्ला सूरज गंज, जालंधर (अन्तर्कर)

(2) डा० रामपाल पुत्र शाम सुंदर, 304 लाजपत नगर, जालंधर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० 30, शहीद उधम सिंह नगर जालंधर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8659 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 31-8-1974

मोहर :

प्राख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० अमृतसर/जालंधर/एम-पी० 1131/74-75—

यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8609 जनवरी 1974 में लिखा है जो प्लॉट नं० 55 शहीद ऊधम सिंह नगर, जालंधर में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अश्वसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों, जो जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रोशन सिंह पुत्र श्री वचित्र सिंह, डक्यू० नं० सूरज गंज, जालंधर। (अन्तरक)

2. श्री सेवा सिंह चड्ढा पुत्र श्री जगत सिंह गांव चौगीटी त० जालंधर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में हितवद्ध हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 55, शहीद ऊधम सिंह नगर, जालंधर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8609, जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक 31 अगस्त 1974।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए०एम०आर०/जालंधर/1132/74-75—यतः,
मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2003, जनवरी 1974 को लिखा है जो गांव ढीगावाली न० फाजिल्का में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नूरा राम पुत्र श्री केसरा राम पुत्र श्री मोभा राम वासी ढीगावाली त० फाजिल्का माफत श्री जगदीश पुत्र श्री राम वासी बोधीवाला पीठा त० फाजिल्का।
(अन्तरक)

2. श्री हरी राम पुत्र श्री सरदार राम पुत्र श्री जोग राम वासी ढीगावाली त० फाजिल्का
(अन्तरिती)

3. जैमा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में हस्ताक्षरी जानता है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2003 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अबोहर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक 31 अगस्त 1974।
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश स० अमृतसर/अबोहर/ एपी-1133/74-75—यतः
मुख्य डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2004
जनवरी 1974 लिखा है, जो गांव डीगा वाली त० फाजिल्का में
स्थित है (और इससे उपावद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक जनवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः अब धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) लीलू राम पुत्र आसा राम वासी गांव डीगावाली त०
फाजिल्का मार्फत श्री जगदीश पुत्र श्री राम वासी बोधावाला पीठा
त० फाजिल्का। (अन्तरक)

(2) श्री सोपान राम पुत्र श्री सग्दारा राम पुत्र श्री जग राम
वामी डीगावाली त० फाजिल्का (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एसद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में दिए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2004 जनवरी
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अबोहर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश स० अमृतसर/अबोहर/एपी-1134/74-75—यतः

मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2004 और 2076 जनवरी 1974 लिखा है, जो गांव डीगावाली त० फाजिल्का में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरकों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गये हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री तीवृ राम पुत्र श्री तामा राम वामी गांव डीगावाली फाजिल्का मार्फत श्री जगदाश पुत्र श्री राम वामी बोर्ला वाला पीठा त० फाजिल्का । (अन्तरण)

(2) श्री मोपान राम और शिव्याली राम पुत्र श्री सरदार राम पुत्र श्री जग राम वामी गांव डीगावाली त० फाजिल्का

(3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिनके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2004 और 2076 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज अमृतसर

तारीख 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर, तारीख 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० अमृतसर/ अग्रोहर/ एपी-1135/74-75—यतः
मुझे डी० एम० गुप्ता : आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिराका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और जम की सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2051 जनवरी 1974 लिखा है जो गांव मुखचैन में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुमति में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अग्रोहर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) का बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री धोंकराण एतिस शिवा कर्ण पुत्र श्री भजन लाल पुत्र जे० लाली गांव मुखचैन त० फाजिल्का (अन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल पुत्र श्री चेतन पुत्र श्री दया राम वासी मुखचैन त० फाजिल्का (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचित रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में दिनबंद है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई है, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जायेंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि इस ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—उसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2051 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अग्रोहर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 31 अगस्त 1974

गोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जुन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश न० अमृतसर/अबोहर/एपी-1136/74-75—यह मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विवरण न० 2052 जनवरी 1974 लिखा है, जो गांव सीटो में स्थित है और इसमें उपावद्र अनुमृची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकाारी के कार्यालय अबोहर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की तात्कालिक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में तमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निर्माणागत व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री सोहन लाल पुत्र श्री चेतन लाल पुत्र श्री दया राम वासी सुखचैन त० फाजिल्का (अन्तरक)
- (2) श्रीमती पारी विधवा श्री भजन लाल पुत्र श्री खेतन राम वासी सुखचैन त० फाजिल्का (अन्तरित)
- (3) जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिस के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, ता—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरितों को दी जायेगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति का, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

रपट्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विवरण न० 2052 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीवर्ता अधिकाारी अबोहर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज अमृतसर।

तारीख 31 अगस्त 1974

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० अमृतसर/मुक्तसर/ए०पी-1137/74-75— यतः
मुझे डी० एस० गुप्ता :

आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी
की रा० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 3357
जनवरी 1974 लिखा है, जो गांव चारेवा में स्थित है (श्रीर इससे
उगावद्र अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, मुक्तसर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित ध्यातियों, अर्थात् :—

(1) श्री गज्जन सिंह पुत्र श्री ठाकुर सिंह श्रीर हरनाथ
कौर, तेजो पुत्रीयां श्री ठाकुर सिंह बामी चारेवा
(अन्तरक)

(2) श्री बोहड़ सिंह, पीपल सिंह, बलविंदर सिंह पुत्र श्री
जग सिंह बासी चारेवा त० मुक्तसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्र है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप; यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्र किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हो, कि सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 3357 जनवरी
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मुक्तसर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर ।

तारीख 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्रकृत आदेशों की प्रतियाँ —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज

जमा, तारीख 31 अगस्त 1974

निदेश सं. शपथपत्र मुक्तमर/प. 1138/74-75-यन, मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मालिकता रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 3356 जनवरी 1974 गिम्ता में मासिक पत्रिका में प्रकाशित है (और इसमें उपाय अंतर्भूत है) का पूर्ण रूप से ज्ञात है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तामिल नाडु में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1974 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए राजस्व के विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरण (जनवरी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तदनुसार मासिक पत्रिका के नियम प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण नियमों के वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण के दाखिल में कभी करने या उससे बचन के लिए सुकर बनाना, जोर/या
- (ख) ऐसी निरीक्षण या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए वाये-वाही शुरू करने के कारण भरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन गिम्ता में निम्नलिखित, प्रकाशित —

- (1) श्री गज्जन सिंह पुत्र श्री देव प्रसाद सिंह हरनाम कीर्तनजी पुत्रिया श्री आनंद सिंह पुत्र म० दीदार सिंह बामी चारवा त० मुक्तमर (पत्नरक)।
- (2) श्रीमती मन कार पत्नी श्री देव प्रसाद सिंह पुत्र श्री दीदार सिंह पुत्र म० हाकम सिंह बामी चारवा त० मुक्तमर (अन्तरण)।
- (3) जैसा कि न० 2 पृष्ठ 1138/74-75 के अधीन निम्नलिखित अधिभोग में अध्याहस्ताक्षरी जाना है।
- (4) कोई व्यक्ति या पत्रिका जिसका नाम है (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधिभोग में जाना है कि वह सम्पत्ति में हितवर्त है)।

तो यह सूचना जारी करके, पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी प्रकृति पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवर्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में लिखे गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और समय नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए आवश्यकता है।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, यथा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख नं० 3356 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मुक्तमर में गिम्ता है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज अमृतसर।

तारीख 31 अगस्त 1974

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,

अर्जन रेज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए०एस०आर०/एवी-1139/74-75—यतः मुझे,
डी० एस० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है
और जिस की सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3427
जनवरी 1974 लिखा है, जो लोहगढ, अमृतसर में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुझाव बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आय-कर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुझाव बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा के (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती दिना देई विधवा श्री वेदर नाथ और श्री
धर्म चंद पुत्र श्री वेदर नाथ कुचा प्यारा मल इग-
गार्ड लोहगढ गेट अमृतसर और श्री प्रकाश राम
केवल विमान, विनाद कुमार पुत्र श्री वेदर नाथ
अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्रीमती जनक बती पत्नी श्री पूर्ण चन्द वासी चौक
पासिया गली खाती वाली, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रजि रखा है। (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
निये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिम्मे ऐसा आक्षेप किया
है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय मुझे जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3427 जनवरी
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज अमृतसर।

तारीख 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/एपी-1140/74-75-यतः, मुझे
डी० एम० गुप्ता, सहायक अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3428
जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकृत अधिकारी अमृतसर में लिखा है,
जो नोहगढ़, अमृतसर में स्थित है (आर० एम० उपायुक्त अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 1974, जनवरी को।

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए, रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल वा गन्तव्य प्रतिफल अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों से पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कायवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब धारा 269-ग के अन्तरण से, मैं आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन —

(1) श्रीमती [एकका देई विधवा श्री केदार राम] श्री
श्रीमद्वन्द, राम प्रसाद, केवल निशान, विनोद कुमार पुत्र श्री देवदर
नाथ, कुच्चा प्यारा मल इनसाईड लोहगढ़, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री दर्शन लाल, शाम सुन्दर पुत्र श्री पूर्ण राम तामी
चौक तामीयां, गली माटी वाली, अमृतसर (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके नाम से ग
में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि हर स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे
और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है
तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3428 जनवरी
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज अमृतसर।

तारीख 31 अगस्त 1974

मो हः

प्राप्त की जायेगी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

परजय राज समूह

अमृतसर दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश नं० ए० एन० आर०/एपी-1141/74-75-यतः, मुझे डी० एन० गुप्ता बगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी नं० मरपत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3427 और 3428 जनवरी 1974, और 3678 3679 फरवरी 1971 लिखा है, जो लोहाड अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में गार पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी फरवरी 1971 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिफल, निर्णायक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) किसी किसी अन्य धन या अन्य आगियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना,

आरयत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-ए के अन्तर्गत पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही प्रकट करने के कारण गार द्वारा अभिलिखित किए गए

अन, अन्त, धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, आयकर, अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्ति-जो अर्थात् —

(1) निम्नलिखित व्यक्ति-जो अर्थात् नाथ और श्री मर्मन, रम प्रसाद, श्री विनोद कुमार पुत्र श्री नारायण और श्री सुप्रकाश और कन्या प्यारा मई उन्माईए लोहाड अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्रीमती जनक बती पत्नी श्री पूर्ण चंद गनी माता बाली श्री मर्मन अमृतसर । श्री दार्शन लाल शाम सुन्दर, बालक लाल मर्मन, पुत्र श्री मर्मन, श्री मर्मन पुत्र श्री पूर्ण चंद पुत्र श्रीमती श्री मर्मन पत्नी श्री सदेश कुमार, चौक पासिया, अमृतसर । (अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग से अधोहस्ताक्षरी जानता है) ।

(4) कोई व्यक्ति जो मरपत्ति में भविष्यता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मरपत्ति में हितवद है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करना है ।

यदि मरपत्ति में अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई है, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती है, तारीख पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति को,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिखे जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के अन्तर्गत किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की मरपत्ति के लिए तारीख आरम्भान नियत किए जाएंगे और उक्त सूचना को ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा मरपत्ति के अन्तरिती को भी, जागी ।

एतद्वारा यह अधिसूचना जारी की जाती है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्वोक्त सूचना दी गई है, आक्षेपों की मरपत्ति के समग्र मुद्दे के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-ए में स्थापित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मरपत्ति नं० कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3427 और 3428 जनवरी 1974 और 3678 और 3679 फरवरी 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है ।

डी० एन० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ।,

अर्जन राज, अमृतसर

तारीख 31 अगस्त 1974

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि. समूहमर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० अमृतसर/मोटडा/ए०पी० 1142/74-75—यतः मुझे डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5326 जनवरी 1974 लिखा है, जा बीबीवाला रोड, भटिंडा, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिये सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का अध्याय 20-क के शब्दों में स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाही शरू करने के कारण से द्वारा अभिलिखित किये गये हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

6—266GI/74

- (1) श्री जोगिन्द्र सिंह, पुत्र ववर्णा सिंह पुत्र सं० तथा सिंह, राम सिंह पुत्र सं० सरवन सिंह आदि वामी बालियावाली (अन्तरक)
- (2) श्री दीवान चंद, जेट राम पुत्र श्री अर्जन दाम वामी भटिंडा (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिनके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।
- (4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उक्त सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5326 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिंडा में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

गक्षम प्राधिकारी

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रजि. समूहमर

तारीख 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एम० आर०/वी० टी० डी०/ए० पी०-1143/74-75—यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5327, जनवरी 1974 लिखा है, जो बीबीवाला रोड, भटिंडा में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र सं० बक्षी सिंह पुत्र श्री नत्थ सिंह और राम सिंह पुत्र श्री सरवन सिंह आदिवासी कालियावाली (अन्तरक)

2. श्री दीवान चन्द जेटू राम पुत्र श्री अर्जन दाम वासी भटिंडा (अन्तरिती)

3. जैसा कि तं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिम्मे ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है। आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित, हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5327, जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1973/4

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जालंधर/ए० पी०-1144/74-75—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धर्ती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8522 जनवरी 1974 लिखा है, जो बस्ती शेख, जालंधर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-बाह्यी शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री धर्म पाल, प्रेम नाथ, पवन कुमार, विजय कुमार, मोहिन्दर पाल पुत्र श्री नंद किशोर पुत्र श्री राम रक्खा मल ई० एफ० 225 मंडी रोड, जालंधर। (अन्तरक)

2. श्री चरंजी लाल, गुरदियाल पुत्र श्री जगत राम पुत्र श्री दुल्ला राम वासी बूटा मंडी, मार्फत मैसर्स गार्गो ट्रेडिंग कम्पनी नजदीक सेंट्रल बैंक आफ इंडिया, मंडी रोड, जालंधर (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती बस्ती शेख जालंधर में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 8522 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालंधर में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 31 अगस्त 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश ग० ए० एम० आर०/शाहकोट/ग० पी०-1145/
74-75—यनः, मुझे डी० एम० गुप्ता आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1517
जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में लिखा
है, जो गांव इन्डोवाल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शाहकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन जनवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमर सिंह पुत्र पाल सिंह पुत्र स० मोहन सिंह, गांव
इन्डोवाल, नहसील शाहकोट (अन्तरक)

2. मैमसे शाहकोट राईम गण्ड जनरल मिन्ज मार्फत मैमजे
राम प्रकाश किशन चन्द शाहकोट

3. जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधि-
भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती गांव इन्डोवाल में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न०
1517 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शाहकोट में
लिखा है।

डी० एम० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 31 अगस्त 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर, अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/फगवाड़ा/ए० पी०-1146/
74-75—यतः, मुझे,

डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है
और जिसकी सं० सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत खिलेख नं०
1942 जनवरी 1974 लिखा है जो फगवाड़ा में स्थित है
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, फगवाड़ा में भारतीय
जनवरी 1974

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन जनवरी, 1973 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के
उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत खिलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें
बचने के लिए सुकर बनाना, और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्रीमती चन्द पुत्र श्री राम रतन मंडी महारंज,
फगवाड़ा (अन्तरक)
2. श्री केदार नाथ पुत्र श्री कर्म चन्द मेहली गेट, फगवाड़ा
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
अधोहस्ताक्षरी जानता है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति
जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

सम्पत्ति, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत खिलेख नं० 1942 जनवरी
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी, फगवाड़ा में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

तारीख 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/जालंधर/ए० पी०-1147/74-75—यतः, मुझे, डी० एस० गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9077 जनवरी 1974 लिखा है, जो दित्तु नंगल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालंधर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. श्री चरण दास पुत्र श्री भगत राम करतारपुर (अन्तरक)

2. मैमर्स जनता राईस एण्ड जनरल मिल्स प्रीतनगर, करतारपुर मार्फत श्री अमृतलाल, स्वर्ण सिंह प्रीतम सिंह करतारपुर पार्टनर (अन्तरिती)

3 जैसा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती, दित्तु नंगल जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 9077 जनवरी 1974 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के, जालंधर में लिखा है ।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

दिनांक : 31 अगस्त 1974 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निर्देश सं० ए० एस० आर०/बटाला/ए० पी०-1148/74-75
—यतः मुझे, डी० एस० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5186 जनवरी 1974 लिखा है, जो बटाला वैस्ट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मदन लाल पुन श्री दवाविया गम बटाला आदि। (अन्तरक)
2. श्री विजय कुमार पुन श्री चूनी लाल बटाला (अन्तरिती)
3. जैमा कि नं० 2 पर है (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती बटाला वैस्ट में, जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5186 जनवरी 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में लिखा है।

डी० एस० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 31 अगस्त 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एम० आर०/बी० टी० एल०/ए० पी०-1149/74-75:—यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5187 जनवरी, 1974 लिखा है, जो बटाला वैस्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974 जनवरी, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

- (1) श्री मदन लाल पुत्र श्री दवानिया राम बटाला आसि ।
(अन्तरक)
- (2) श्री चरजीव लाल पुत्र श्री नृती लाल बटाला ।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हो, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेप की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती बटाला वैस्ट में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5187 जनवरी, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में लिखा है ।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 31 अगस्त 1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एम० आर०/बी० टी० एम०/ए० पी०-1150/74-75:—यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5097 जनवरी, 1974 लिखा है, जो बटाला बैस्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
7-266GI/74

(1) श्री मदन लाल पुत्र श्री बबाबिया राम बटाला आदि।
(अन्तरक)

(2) श्री चरंजीव लाल पुत्र श्री चूनी लाल बटाला।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती, बटाला बैस्ट में, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5097 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 31 अगस्त 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 31 अगस्त 1974

निदेश सं० ए० एस० आर०/डी० एल०/ए० पी०-1151/
74-75:—यतः, मुझे, डी० एम० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5096 जनवरी, 1974 लिखा है, जो बटाला वैस्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, बटाला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 1974, जनवरी को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यसे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ;

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मदन लाल पुत्र श्री दवात्रिया राम बटाला आदि।

(अन्तरक)

(2) श्री विजय कुमार पुत्र श्री चूनोत्तम बटाला।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है। (वह व्यक्ति जिसके अधि-भोग में अधोहस्ताक्षरी जानता है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किये गये आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किये जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने का अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती गांव बटाला वैस्ट, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5096 जनवरी, 1974 को रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी बटाला में लिखा है।

डी० एम० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 31 अगस्त 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 28 अगस्त 1974

निर्देश सं० सी० ऐ०/5/जनवरी/74/सोलापुर/132:—यतः, मुझे, जी० कृष्णन्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० गट क्रमांक 155/3बी० है, जो सोलापुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय सोलापुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. (1) श्री चंदुलाल वाकाप्रगाद दुबे

(2) श्रीमती प्रमिलाबाई चंदुलाल दुबे 385 दक्षिण कसबा पेठ, सोलापुर। (अन्तरक)

2. (1) श्री रामय्या कोडय्या कोडले 267/67 रविवार पेठ, सोलापुर

श्री भगवान नरहर अयमेकर, सोलापुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन गट क्रमांक 155/3बी० में से सोलापुर में जिसका क्षेत्रफल 1 एकड़ 0 गुंठा उसके कॉमन 1/2 हिस्सा फिहोल्ड निम्न प्रकार से घिरा हुआ :—

पूर्व के तरफ : श्री मंगलप्पा वलीराम पोगुल की गट क्रमांक 154 की जमीन।

दक्षिण के तरफ : श्री प्रभाकर डुबे की जमीन जो तुम्हें (अन्तरिती) बेची है।

पश्चिम के तरफ : हमारे (अन्तरक) हिस्से की जमीन जिसका ले-आउट और प्लाटस् निर्माण करके बेची है।

उत्तर के तरफ : श्री प्रकलिकी फैंटरी है।

जी० कृष्णन्,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना

दिनांक : 28-8-74।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 27 अगस्त 1974

निर्देश सं० सी० ऐ०/5/जनवरी/74/सोलापुर/131:—यतः,
मुझे, जी० कृष्णन्,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
और जिसकी सं० गट क्रमांक 155/3बी० है, जो सोलापुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सोलापुर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
4-1-1974

को पूर्वोचित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री चंदुलाल बाकाप्रसाद दुबे,
(2) श्रीमती प्रमिलाबाई चंदुलाल दुबे 385, दक्षिण
कसबा पेठ, सोलापुर । (अन्तरक)
2. (1) श्री सत्यनारायण रामय्या कोडले 267/67 रवि-
वार पेठ, सोलापुर । (अन्तरिती)

श्री भगवान नरहर अयसेकर, सोलापुर ।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन गट क्रमांक 155/3बी में से, सोलापुर में ।

जिसका क्षेत्र—2 एकड़ 0 गुंठा, उसमें कॉमन 1/2 हिस्सा
की होल्ड निम्न प्रकार से घिरा हुआ ।

पूर्व के तरफ—श्री मोगलप्पा बकीराम पोगूल की गट क्रमांक
154 की जमीन ।

दक्षिण के तरफ—श्री प्रभाकर दुबे की जमीन जो तुम्हें (अन्तरिती)
बेची है ।

पश्चिम के तरफ—हमारे हिस्से की जमीन जिसका ले० श्रौट और
प्लांट्स—निर्माण करके बेची है ।

उत्तर के तरफ—श्री अकलिकी फैक्टरी है ।

जी० कृष्णन्,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 27-8-74 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अगस्त, 1974

सं० IX/3/277/73-74—यत्., मुद्रा, के० वि० राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 31/2 ए०, मद्रास है, जो पन्तियन रोड, एधमोर
में स्थित है और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण
के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के
लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ।

और यत्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित
किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 279-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कुक्षिदुनिमा वेधम, पन्तियन रोड, एधमोर,
मद्रास (अन्तरक)

(2) ए० आई० प्रापटी डेवलप्मेन्ट (प्रा०) लिमिटेड,
एधमोर, मद्रास (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई है, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास, एधमोर, पन्तियन रोड, डोर सं० 31/2 ए० में
चार० प्रउण्ड का खालि भूमि जिसका आर० एस० सं० 1623/1
और 1626/4 ।

के० वि० राजन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I मद्रास ।

तारीख : 28-8-74 ।
मोहर :

प्रखन आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ-(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I मद्रास

मद्रास, दिनांक 28 अगस्त 1974

निदेश सं० IX /3/271/73-74:—यत, मुझे, के० वि० राजन्, सहायक आयकर आयुक्त, लखनऊ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 31/2 ए० पन्थियों रोड, एधमोर मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन जनवरी, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए, प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः, अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मोहम्मद काजिम खलीफ़ि, एधमोर, मद्रास (अन्तरक)

(2) एस० आई० प्रापर्टी डेवलपमेंट (पि) लिमिटेड, एधमोर, मद्रास-8 । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास, एधमोर, डोर सं० 31/2 ए० 15 ग्रउण्ड का खाली भूमि जिसका आर० एस० सं० 1623/1 और 1626/4 ।

के० वि० राजन्

मक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I मद्रास ।

तारीख : 28-8-74 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अगस्त, 1974

निर्देश सं० सि० आर० 62/2028/73-74/ए० सी० न्यू० (बी०):—यतः, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) बंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिनकी सं० (1) के० बी० जी०, 1619, 12 फ़ास, II स्टेज, राजाजी नगर, बंगलूर-10 (2) 190/47, II फ़ास, नागप्पा ब्लाक लक्ष्मी नारायण पुरम, बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजाजी नगर, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए सुकर बनाना।

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पी० दोरस्वामी (2) श्रीमती साकम्मा नं 190/47, II फ़ास, नागप्पा ब्लाक, लक्ष्मीनारायण पुरम, बंगलूर (अन्तरक)
2. (1) पी० गनगप्पा (2) पी० रामय्या, लक्कर, गोमापुर होब्ली, मेनमनगला तालुक बंगलूर जिला (अन्तरिती)
3. (1) श्री गनपती }
(2) सैयद आज़म } सम्पत्ति 1 के वासी
(3) गौरय्या } (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(1) नं० 1619, 12 फ़ास (के० बी० जे० बस रोड), II स्टेज राजाजीनगर, बंगलूर-10

(2) 190/47 II फ़ास, नागप्पा ब्लाक, लक्ष्मीनारायण-पुरम, बंगलूर

जगह की सीमा (1) 1170 वर्ग फीट (2) 2475 वर्ग फीट
दस्तावेज नं० 3951/2-1-74

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-8-74।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अगस्त, 1974

मं० सि० आर० 62/2048/73-74 ए० सी० क्यू० (वी०) :—
यत्, मुझे, आर० कृष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिनकी सं० 13/8 है, जो लाल बाग है रोड, बंगलूर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वसन्तगुडि, बंगलूर-4
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 2-1-1974 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन
कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या
उससे बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना ;

और अतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-
वाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं ।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हाजी एम० मोहम्मद इस्माईल 13/8, लाल बाग
रोड, बंगलूर-4 (अन्तरक)

2. श्री (1) अब्दुल रहीम, (2) अब्दुल मुमान (3)
शेख महमूद (4) मोहम्मद मुस्तफा (5) अब्दुल रहीम नं० 10,
श्रीनिवासा बालोनी बंगलूर-27 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाबद किमी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेप, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत
किए जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा
आक्षेप किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 13/8, लाल बाग है रोड, बंगलूर
जगह की सीमा 7000 वर्ग फीट
सीमा :—

पूर्व	लालबाग है रोड
पश्चिम	श्रीमती केसरबाई मनगनलाल हेच० शाह की सम्पत्ति
उत्तर	श्री एम० एम० रुद्रप्पा अंड सन्म की सम्पत्ति
दक्षिण	श्रीमती केसरबाई मनगनलाल हेच० शाह की सम्पत्ति ।

दस्तावेज नं० 3742/2-1-74

आर० कृष्णमूर्ति
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर ।

दिनांक : 22-8-74 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अगस्त, 1974

सं० सि० आर० 62/2025/73-74 ए०० (बी०) —

यतः मुझे, आर० क्रिष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
बंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 458/15 है, जो 18 मैन रोड, IV टी० ब्लॉक,
जयनगर, बंगलूर-II में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जयनगर, बंगलूर-II में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 8-1-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आय-कर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना ।

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अधिलिखित किये गये हैं ।

अतः, अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
8—266 GI/74

1. श्रीमती के० एम० गोपालकिष्णन, सपुत्र लेट के० बी०
सुब्रह्मण्यम, 458/15, 18 मैन रोड IV टी ब्लॉक, जयनगर,
बंगलूर-II (अन्तरक)

2. श्री ए० के० वेनकटायला, सेट्टी सुपुत्र वेनकटवायमय्या
सेट्टी नं० 485/15, 18 मैन रोड, IV टी० ब्लॉक
जयनगर, बंगलूर-II (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि कोई
हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए जाएंगे और
उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप किया है तथा
सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी ।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति 458/15 मैन 18 रोड, 'टी०'
ब्लॉक जयनगर, बंगलूर-II (जगह की सीमा 3750 वर्ग फीट)
दो मंजिले वाली इमारत जिस की सीमा निम्न प्रकार है :—
पूर्व सैट नं० 471
पश्चिम 18 मैन रोड,
उत्तर सैट नं० 457
दक्षिण सैट नं० 459
दस्तावेज नं० 3244/8-1-74

आर० क्रिष्णामूर्ति,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 22-8-1974

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 22 अगस्त 1974

निदेश सं० सि० आर० 62/2082/73-74/एक्यु० (बी०)—
यतः, मुझे, आर० कृष्णामूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण), बंगलूर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधि-
कारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 8514 है, जो VIII क्रॉस, विलसन गार्डन, बंगलूर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयनगर,
बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 18-1-1974
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-
फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय
पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए सुकर बनाना,

और यतः, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए
हैं।

अतः, अब धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधिन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पोपम्मा पत्नी श्री हनुमय्या 85/4, VIII क्रॉस,
विलसन गार्डन, बंगलूर-27। (अन्तरक)

2. श्रीमती बी० रामनन्तम्म पत्नी ए० के० वेन्कटाचल
मेट्टी नं० 158/15, 18 गैन रोड, IV 'टी०' ब्लॉक, जयनगर,
बंगलूर-11। (अन्तरिती)

3. श्री (1) जार्ज डब्ल्यू० बनगारा (2) मैथद गौस (3) के०
रामस्वामी रेड्डी (4) ए० सूर्यनाथयण (5) पी० एम० श्रीनिवासन
(6) ए० एम० मूनजा (7) लक्ष्मन्ना (8) बी० वेन्कटाचलय्या
(9) हनुमय्या। (यह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि स्थावर सम्पत्ति
के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों, यदि
कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने ऐसा आक्षेप
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थायर सम्पत्ति नं० 85/4, VIII क्रॉस, विलसन गार्डन,
बंगलूर-27 (जगह की सीमा 750 वर्ग फीट)

दस्तावेज नं० 3326/18-1-1974।

आर० कृष्णामूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

तारीख : 22-8-1974।

अर्जन रेंज, बंगलूर।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 22 अगस्त 1974

स० मि० आर० 62/2026/73-74 एम्पू० (बी०) :—
यतः, मुझे आर० क्रिष्णमूर्ति, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
बैंगलूर आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये में अधिक है
और जिसकी स० 85/4 है, जो VIII क्रम, विलसन गार्डन बैंगलूर
में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, जयनगर,
बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन एफ० एन० 15-1-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या आयकर अधिनियम 1961 (1961
का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

और यतः आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
के अध्याय 20-क के शब्दों में पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही शुरू करने के कारण मेरे द्वारा अभिलिखित किए गए हैं।

अतः अब, धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, आयकर अधि-
नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती पापम्मा पत्नी हनुमय्या 85/4, VIII क्रम,
विकसन गार्डन, बैंगलूर-27 (अन्तरक)

2. श्रीमती वी० वेंकटरत्नम्मा पत्नी श्री ए० के० वेंकटरत्न-
मेट्टी, नं० 858/15, 18मैन रोड, IV "टी०" ब्लॉक जयनगर,
बैंगलूर (अन्तरिती)

(3) (1) जार्ज डब्लू० बनगारा (2) सैयद गौम
(3) के० रामस्वामी रेड्डी (4) एन० सूर्यनारायण (5) पी०
एम० श्रीनिवासन (6) ए० एम० मुत्तन्न (7) लक्ष्मणा (8)
वी० वेंकटरत्नम्मा (9) हनुमय्या

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

एतद्द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि इस स्थावर
सम्पत्ति के अर्जन के प्रति इस सूचना के उत्तर में किए गए आक्षेपों,
यदि कोई हों, की सुनवाई के लिए तारीख और स्थान नियत किए
जाएंगे और उसकी सूचना हर ऐसे व्यक्ति को, जिसने अक्षेप ऐसा
किया है तथा सम्पत्ति के अन्तरिती को दी जाएगी।

एतद्द्वारा आगे यह अधिसूचित किया जाता है कि हर ऐसे
व्यक्ति को, जिसे पूर्ववर्ती पैरा के अधीन सूचना दी गई है, आक्षेपों
की सुनवाई के समय सुने जाने के लिए अधिकार होगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिले वाली इमारत नं० 85/4, VIII क्रम, विलसन
गार्डन, बैंगलूर

मैट की सीमा 1250 वर्ग फीट

ग्रीन्ड फ्लोर और फर्स्ट फ्लोर—हर एक 11 स्क्वियर II
फ्लोर—8 स्क्वियर

दस्तावेज नं० 3266/एफ० एन० 15-1-74

आर० क्रिष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक : 22-8-74।

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

वि० सं० 40

निम्नलिखित पदों के लिए आवेदन-पत्र आमंत्रित किए जाते हैं।

1. एक पद, ग्रेड II—संयुक्त निदेशक, भारत सांख्यिकी सेवा, कामिक तथा प्रशा० सुधार विभाग। (पद अस्थायी, अनिश्चित काल तक चलना संभव)। (अ० जा० के लिए आरक्षित, न मिलने पर अनारक्षित)। वेतन :—रु० 1500-60-1800। आयु :—वरीयत : 45 वर्ष से कम। अ० यो० :—सांख्यिकी या गणित या अर्थशास्त्र में द्वितीय श्रेणी की 'मास्टर' डिग्री अथवा गणित या सांख्यिकी के विषय सहित डिग्री तथा साथ में सांख्यिकी में कम से कम 2 वर्ष के स्नातकोत्तर प्रशिक्षण के बाद प्राप्त डिप्लोमा। मान्यता प्राप्त संस्थाओं या सरकारी विभागों या विख्यात वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में सांख्यिकीय कार्य/अन्वेषण/अनुसंधान का 8 वर्ष का अनुभव तथा क्षेत्रगत कार्य (अर्थात् सांख्यिकीय सर्वे० प्रतिवेदन) में मौलिक अनुसंधान का प्रमाण।

2. एक वास्तुविद् योजनाकार, नगर और ग्राम योजना संग, निर्माण और आवास मंत्रा० (पद स्थायी नियुक्ति अस्थायी आधार पर)। वेतन :—रु० 1300-60-1600-100-1800। आयु :—45 वर्ष। अ० यो० :—वास्तुकला में डिग्री। वास्तुकला या नगर योजना में किसी दायित्वपूर्ण हैसियत से 7 वर्ष का अनुभव।

†3. एक उपनिदेशक (निर्यात प्रवर्द्धन), औद्योगिक मंत्रा० (पद अस्थायी, अमि० काल तक चलना संभव)। (अ० जा० के लिए आरक्षित, न मिलने पर अ० ज० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—रु० 1100-50-1600। आयु :—45 वर्ष। अ० यो० :—व्यवसाय प्रशा०/निर्यात प्रवर्द्धन में विशेषज्ञता सहित अर्थशास्त्र या वाणिज्य में 'मास्टर' डिग्री। किसी सरकारी या विख्यात औद्योगिक/व्यावसायिक प्रतिष्ठान में निर्यात प्रवर्द्धन के क्षेत्र में दायित्वपूर्ण हैसियत से 7 वर्ष का अनुभव।

4. एक सहा० निदेशक (शरीर क्रिया विज्ञान), महा-निदेशक, कारखाना परामर्श सेवा तथा श्रम संस्थान, बम्बई। (पद स्थायी, नियुक्ति अस्थायी आधार पर)। वेतन :—रु० 1100-50-1600 (परिशोधित वेतनमान)। आयु :—40 वर्ष। अ० यो० :—शरीर क्रिया विज्ञान में 'मास्टर' डिग्री। औद्योगिक कार्यात्मक विज्ञान के क्षेत्र में 5 वर्ष का अनुभव जिसमें से 3 वर्ष का अनुभव अनुरूप समस्याओं से संबद्ध किसी विख्यात संस्थान का सरकारी विभाग में किसी दायित्वपूर्ण पद पर हो।

5. भू-विज्ञान स्कंध का एक अध्यक्ष (भार, फोटो निर्बंधन संस्थान), भारत का सर्वे०, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विभाग। पद स्थायी। वेतन :—रु० 1100-50-1400 (परिशोधन पूर्व)। आयु :—45 वर्ष। अ० यो० :—भू-विज्ञान में एम० एस० सी०। भूवैज्ञानिक सर्वे० के विशेष संदर्भ में भू-विज्ञान में अनुसं० और/या अध्यापन का 10 वर्ष का अनुभव तथा भू-वैज्ञानिक सर्वे० के लिए फोटो निर्बंधन की प्रविधियों का ज्ञान।

†6. एक वरि० तकनीकी अधि०, उत्पा० और निरीक्षण (नौसेना) निदेशा० रक्षा मंत्रा०। (पद अस्थायी, अनि० काल तक चलते चलते अन्ततः स्थायी होना संभव) (अ० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—रु० 700-50-1250 (परिशोधन संभव)।

आयु :—45 वर्ष। अ० यो० :—वैद्युत् इंजी० में डिग्री तथा साथ में वैद्युत् शक्ति मशीनरी और उपस्कर के परिचालन/मरम्मत/अनु-रक्षण/अभिकल्पन का 5 वर्ष का अनुभव।

7. एक अधीक्षक, आंकड़ा प्रसाधन स्कंध, राष्ट्रीय नमूना सर्वे० संग०, योजना मंत्रा०। पद स्थायी, नियुक्ति अस्थायी आधार पर) (अ० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—रु० 550-25-750-द० रो०-30-900 (परिशोधित वेतनमान)। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—सांख्यिकी या गणित या अर्थशास्त्र या वाणिज्य (सांख्यिकी सहित) में 'मास्टर' डिग्री। अथवा गणित या सांख्यिकी या अर्थशास्त्र के विषय के साथ डिग्री (कम से कम 50% अंकों से) तथा किसी मान्यताप्राप्त संस्था में 2 वर्ष के प्रशिक्षण के बाद सांख्यिकी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और आंकड़ा प्रसाधन कार्य अथवा कार्ड सारणीयन पद्धति में 2 वर्ष का अनुभव।

8. एक वरि० अन्वेषक, सहा० निदे० का कार्या० तैल तथा माप बम्बई, (पद अस्थायी, अनि० काल तक चलना संभव)। वेतन :—रु० 550-25-750-द० रो०-30-900। आयु :—30 वर्ष। अर्थशास्त्र या वाणिज्य में 'मास्टर' डिग्री तथा आर्थिक अनुसं०/अन्वेषण में 3 वर्ष का अनुभव।

†9. सिविल इंजी० का एक आख्याता, पंजाब इंजी० कालेज चंडीगढ़। पद अस्थायी, अनि० काल तक चलना संभव)। (अ० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—रु० 400-30-700/40-1100। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—मृदा यांत्रिकी और नींव इंजी०/राजपथ इंजी०/सिवाई और द्रव इंजी० में प्रमुखता सहित सिविल इंजी० में द्वितीय श्रेणी की डिग्री।

पद सं० 10 से 12 कृषि मंत्रा० में

10. एक निदेशक (केन्द्रीय पशु संवर्धन फार्म), धाम रोड। (पद अस्थायी, अनि० काल तक चलना संभव)। वेतन :—रु० 1100-50-1400। आयु :—45 वर्ष। अ० यो० :—कृषि विज्ञा०/पशुपालन विज्ञा०/डैरी विज्ञा०/पशु रोग विज्ञा० में डिग्री। पशु आनुवंशिकी में स्नातकोत्तर डिग्री तथा किसी दायित्वपूर्ण पद पर डैरी फार्मों के प्रबंध का 7 वर्ष का अनुभव।

11. एक वरि० तकनीकी सहा० (कृषि विकास), सुपारी गरम मसाला विकास निदेशा०। (पद अस्थायी, चलते चलते अन्ततः स्थायी होना संभव)। वेतन :—रु० 550-25-750-द० रो०-30-900 (परिशोधित)। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—कृषि विज्ञा० में डिग्री। अनुसं०/विकास या प्रसार कार्य का 2 वर्ष का अनुभव।

12. एक वरि० तकनीकी सहा० (कृषि विकास), पटसन विकास निदेशा०। (पद अस्थायी, अ० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—रु० 350-25-750-द० रो०-30-900। आयु :—40 वर्ष। अ० यो० :—कृषि विज्ञान में डिग्री। कृषि अनुसं०/विकास या प्रसार कार्य का 2 वर्ष का अनुभव।

13 पद सं० 13 व 14 स्वास्थ्य और प० वि० मंत्रा० में एक परिवहन उप नियंत्रक (पद अस्थायी, अनि० काल तक चलना संभव)। वेतन :—1100-50-1600 (परिशोधित वेतनमान)। आयु :—40 वर्ष। अ० यो० :—यांत्रिक या फ्राटोमोवील इंजी० में डिग्री। अनुरक्षण, मरम्मत और क्रय में संबद्ध किसी विख्यात

आटोमोबील कर्मशाला में दायित्वपूर्ण हैसियत से 5 वर्ष का अनुभव तथा किसी सड़क परिवहन उद्यम में प्रशासनिक अनुभव जिसमें मानक प्राक्कलन और कुशलता योजना का तैयार करना सम्मिलित हो।

14. एक तत्रिका शल्यचिकित्सक, सफ़रजग अस्पताल नई दिल्ली। (पद अस्थायी, अनि० काल तक चलना सम्भव)। वेतन :—रु० 600-40-1000-द० रो०-50-1300 तथा साथ में वेतन के 50/- की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता जो अधिका में अधिक रु० 600/- प्र० मा० होगा। आयु :—45 वर्ष। अ० यो० :—कोई मान्य मेडिकल योग्यता। तत्रिका शल्य चिकित्सा में स्नातकोत्तर योग्यताएँ तथा तत्रिका शल्य चिकित्सा में विशेष-ज्ञान से सबद्ध उत्तरदायित्व पूर्ण हैसियत से 3 वर्ष का कार्य।

पद स० 15 से 19 अखिल भार, स्वास्थ्य रक्षा तथा लोक स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में

15. तीन निदेशक (सांख्यिकी) (पद स्थायी, नियुक्ति अस्थायी आधार पर)। (एक पद अ० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—रु० 550-25-750-द० रो०-30-900। आयु :—30 वर्ष। अ० यो० :—सांख्यिकी या गणित (सांख्यिकी सहित) में 'मास्टर' डिग्री। अथवा सांख्यिकी या गणित के साथ डिग्री तथा 2 वर्ष के प्रशिक्षण के बाद सांख्यिकी में मान्य स्नातकोत्तर डिप्लोमा।

16. एक सहायक चिकि० अधि० (रति रोग)। (पद स्थायी, भर्ती अस्थायी आधार पर)। (अ० ज० जा० के लिए आरक्षित)। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575 तथा साथ में वेतन के 25% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता (परिशोधन सम्भव)। आयु :—35 वर्ष। अ० यो० :—कोई मान्य मेडिकल योग्यता।

17. एक सहा० चिकि० अधि० (क्षय रोग)। (पद स्थायी, भर्ती अस्थायी आधार पर)। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575 तथा साथ में वेतन के 25% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता (परिशोधन सम्भव)। आयु :—30 वर्ष। अ० यो० :—कोई मान्य मेडिकल योग्यता।

18. तीन निदेशक (चिकि०) (सूक्ष्म जीव विज्ञान)। (पद स्थायी, भर्ती अस्थायी आधार पर)। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575 तथा साथ में वेतन के 25% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता (परिशोधन सम्भव)। आयु :—30 वर्ष। अ० यो० :—कोई मान्य मेडिकल योग्यता अथवा चिकित्सा सूक्ष्म-जीव विज्ञान/रोधकमता विज्ञान में अनुभव के साथ सूक्ष्म जीव विज्ञान में एम० एस० सी० डिग्री।

19. एक क्षेत्र अनुदेशक (चिकि०)। (पद स्थायी, भर्ती अस्थायी आधार पर)। वेतन :—रु० 325-15-475-द० रो०-20-575 तथा साथ में वेतन के 25% की दर से प्रैक्टिस न करने का भत्ता (परिशोधन सम्भव)। आयु :—30 वर्ष। अ० यो० :—कोई मान्य मेडिकल योग्यता।

शुद्धि-पत्र

1. एक संयुक्त निदेशक (विधि) कम्पनी कार्य विभाग, बिधि, मंत्रा० (13-7-1974 को प्रकाशित सं० लो० से० आ० के विज्ञापन सं० 28 की मब-सं० 2)। पदों की संख्या एक में बढ़ा कर

दो कर दी गई है और अ० यो० (11) को दोनों पदों के लिए इस प्रकार संप्रोक्षित कर दिया गया है "न्यायवादी/वकील की हैसियत से 12 वर्ष का अनुभव जो बरीयत, संयुक्त पूजीवाली कम्पनियों में सबद्ध मामलों का हो अथवा कम्पनी प्रशासन अधिनियम, 1956 में सबद्ध किसी सरकारी विभाग में कम्पनी विधि कानून के परिपालन में 12 वर्ष के अनुभव के साथ हो"। अंतिम तारीख 4-11-1974 (विदेश स्थित आवेदकों के लिए 18-11-1974) तक बढ़ा दी गई है।

II. चार वनस्पतिज्ञ, भार० वनस्प० सर्वेक्षण। (27-7-74 को प्रकाशित सं० लो० से० आ० के विज्ञापन सं० 30 की मब-सं० 13)। अनुभव इस प्रकार संप्रोक्षित है कोई (ALGAE) कफूद, (FUNGI) ब्रायोफाइट्स/टैरोडोफाइट्स, प्रावृतबीज (ANGIOSPERMS) अनावृतबीज (GYMNOSPERMS) अंतिम तारीख 4-11-1974 (विदेश स्थित उम्मीदवारों के लिए 18-11-1974) तक बढ़ा दी गई है।

III. दो सिवि० सहा० सुरक्षा अधि०, अनुचिका० सग, रक्षा मंत्रा० (8-6-1974 को प्रकाशित सं० लो० से० आ० के विज्ञा० सं० 23 का शुद्धि पत्र 1)। पदों की संख्या 2 में 3 कर दी गई है। अतिरिक्त पद अनारक्षित है। अंतिम तारीख 4-11-1974 (विदेश स्थित आवेदकों के लिए 18-11-1974) तक बढ़ा दी गई है।

आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र प्राप्त करने की अंतिम तारीख 4 नवम्बर, 1974 (विदेशों, अडेमान, निकोबार और लक्षद्वीप के उम्मीदवारों के लिए 18 नवम्बर, 1974)

*पदों आदि के बारे में यह सक्षिप्त सूचना है। आवेदन-पत्र और विवरण के लिए सचिव, सं० लो० से० आयोग नई दिल्ली-110011 को बिना टिकट के अपना पता लिखे हुए लिफाफे (23×10 से० मी०) के साथ मद संख्या, पद का नाम और विज्ञापन का हवाला देते हुए लिखें।

† आयु 1-1-1974 तक की गिनी जाएगी। (विस्थापितों, अ० जा०, अ० ज० जा० और सरकारी कर्मचारियों को, जहाँ अन्यथा न बताया गया हो, आयु-सीमा में छूट सम्भव)।

† आयोग, उचित समझे तो, योग्यताओं में छूट दे सकता है।

† उच्च प्रारम्भिक वेतन योग्यताओं के अनुसार दिया जा सकता है।

† आवेदन-शुल्क भारतीय पोस्टल ऑर्डर के रूप में आठ रु० (अ० जा० और अ० ज० जा० के लिए दो रु०), विदेश के उम्मीदवार भारतीय दूतावास में शुल्क जमा करें।

सकेत : अ० जा० :—अनुसूचित जाति अ० ज० जा० :—अनुसूचित जन जाति-अ० यो० :—अनिवार्य योग्यताएँ

अमोक चन्द्र बन्धोपाध्याय,
सचिव,
सघ लोक सेवा आयोग

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd August 1974

No. A. 32013/2/73-Admn.I.—Shri B. K. Lal, a permanent officer of Grade I of the Central Secretariat Service, who was earlier appointed to officiate in Selection Grade of the Service with effect from 19-3-74 (A.N.) to 19-9-74 (A.N.), has since been appointed to officiate in the Selection Grade of the Service with effect from the forenoon of 15th July, 1974 until further orders *vide* Cabinet Secretariat, Department of Personnel and Administrative Reforms, Notification No. F. 4/43/73-CS(I) dated 9th August, 1974. Shri B. K. Lal will continue to officiate as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 15th July, 1974 until further orders.

The 26th August 1974

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Arora, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 81 days from 15th July, 1974 to 3rd October, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

The 28th August 1974

No. A. 32014/1/74-Admn.III.—In continuation of this office notification of even number dated 28th May, 1974, the President is pleased to appoint Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period of 2 weeks from 13th July, 1974 to 26th July, 1974 or until further orders, whichever is earlier.

The 4th September 1974

No. A.32013/1/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. D. Joshi, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service for a period of 45 days with effect from 17-6-74 to 31-7-74.

Shri T. D. Joshi relinquished charge of the office of Under Secretary on the forenoon of 1-8-74. On his reversion, Shri Joshi resumed charge of the office of Section Officer, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 1-8-74.

The 7th September 1974

No. A.38014/1/73-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri P. C. Madan, a permanent Assistant and officiating Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Govt. Service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th June, 1974 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A), dated the 24th November, 1973.

No. A. 38013/2/73-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri S. V. Venkatraman, a permanent Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Govt. Service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 30th June, 1974 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests (A) dated the 24th November, 1973.

No. A. 38013/3/73-Admn.III.—The President is pleased to permit Shri M. L. Kacker, a permanent Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission, to retire from Govt. service, on attaining the age of superannuation, with effect from the afternoon of the 31st July, 1974 in terms of Department of Personnel O.M. No. 33/12/73-Ests(A), dated the 24th November, 1973.

M. R. BHAGWAT,
Under Secy.,
(Incharge of Administration)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 26th August 1974

No. E-38013(1)/2/74-Ad.I.—On transfer to Calcutta, Shri P. P. Singh, IPS (Bihar-1956), relinquished the charge of the post of Commandant No. 9 Bn. Central Industrial Security Force Patna with effect from the Afternoon of 1st August, 1974 and Shri A. B. Choudhuri, assumed the additional charge of the post of Commandant 9 Bn. Central Industrial Security Force, Patna with effect from the Afternoon of the same date.

The 9th September 1974

No. E-38013(3)/13/74-Ad.I.—Shri Y. N. Khanna, Assistant Commandant No. 14 Battalion, Central Industrial Security Force, New Delhi relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 1st August, 1974 and on his appointment as Assistant Commandant (JAO), Eastern Zone, Central Industrial Security Force with HQrs, at New Delhi assumed the charge of the post with effect from the forenoon of the same date.

The 12th September 1974

No. E-38013(3)/13/74-Ad.I.—Shri N. C. Sood, Assistant Commandant No. 8 Battalion, Central Industrial Security Force, New Delhi relinquished the charge of the post with effect from the forenoon of 20th April, 1974 and on appointment assumed the charge of the post of Assistant Commandant/Central Industrial Security Force, Delhi Airport with effect from the forenoon of the same date.

L. S. BISHT, Inspector General

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi-1, the 28th August 1974

No. 2/12/73-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Shanti Sagar, an Assistant Engineer of the Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd August, 1974, until further orders.

The 7th September 1974

No. 2/24/73-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri P. De'Sousa, Chief Engineer, Central Public Works Department, as Chief Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the afternoon of 5th September, 1974, until further orders.

B. V. DIGHE, Under Secy. (Admn.),
for Central Vigilance Commissioner

DIRECTORATE OF COORDINATION

(POLICE WIRELESS)

New Delhi-1, the 12th September 1974

No. A. 38/3/71-Wireless.—The appointment of S/Shri M. N. Tikku and M. A. Kini, Extra Assistant Directors on *ad hoc* basis is extended for a further period upto 31st December, 1974 or till the posts are filled on regular basis, whichever is earlier.

C. P. JOSHI, Director,
Police Telecommunications

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 9th September 1974

No. 25/2/73-RC(Ad.I).—In continuation of this office Notification No. 25/2/73-RG(Ad.I), dated 13 March 1974, the President is pleased to continue the re-employment of Shri H. S. Kwatra as Deputy Director of Census Operations, Punjab for a further period of six months with effect from 1 September, 1974.

No. 25/11/73-RG(Ad.I.).—In partial modification of para 2 of this office notification No. 25/11/73-RG(Ad.I.), dated 7 May 1973, the President is pleased to decide that in addition to his normal duties, which the Government of Himachal Pradesh may assign to him from time to time, Shri Atiar Singh will function as Director of Census Operations and ex-officio Superintendent of Census Operations, Himachal Pradesh in an ex-officio capacity with effect from the forenoon of 18 April 1973, until further orders.

R. B. CHARI,
Registrar General, India
and Ex-officio Joint Secy.

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 9th September 1974

No. 7(34)/5185.—Shri Kalyan Kumar Chowdhary is hereby appointed as Assistant Engineer (Mechanical) with effect from the forenoon of 5th September, 1974.

P. S. SHIVARAM, General Manager,

OFFICE OF THE A.G.C.R. NEW DELHI

New Delhi, the 3rd September 1974

No. Admn.I/5-5/Promotion/74-75/1496.—The Accountant General, Central Revenues, has appointed Shri B. L. Rustagi, Section Officer of this office to officiate as Accounts Officer in the time scale of Rs. 840—1200 w.e.f. 28th August 1974 (F.N.), until further orders.

H. S. DUGGAL, Sr. Dy. Accountant General (A).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ORISSA

Bhubaneswar, the 20th July 1974

No. O.O.C.-325.—The Accountant General, Orissa has been pleased to appoint the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers with effect from the date as noted against each until further orders.

1. Shri A. Venkata Ramana, 11-7-74 (F.N.).
2. Shri Padma Charan Mohapatra, 15-7-74 (F.N.).

V. S. BHARDWAJ,
Sr. Dy. Accountant General (Admn.).

Office of the Accountant General, Uttar Pradesh-I Allahabad, the 6th September, 1974

No. Admn. I/11-144/XI (II)/2670.—The Accountant General Uttar Pradesh I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the dates noted against each until further orders.—

S/Shri		
(1)	R. P. Bhatnagar	24-8-74 (Proforma Promotion)
(2)	Jogendra Lal Chaudhary	24-8-74
(3)	Shyam Sunder Das Agrawal	26-8-74
(4)	Madhav Vidyadhar Gore	27-8-74
(5)	G. M. Bhagia	31-8-74
(6)	Ram Ratan Agrawal	27-8-74
(7)	K. P. Mathur	31-8-74
(8)	Kailash Chandra Agrawal	28-8-74
(9)	Bishambhar Nath Chaube	2-9-74
(10)	Achal Behari Lal Srivastava	29-8-74
(11)	Brahma Nand	30-8-74 (Afternoon)
(12)	Baleshwar Prasad Agrawal	31-8-74
(13)	Sridhar Vidyadhar Gore	28-8-74
(14)	Tara Chand Srivastava	28-8-74

U. RAMA CHANDRA RAO
SR. Deputy Accountant General

Defence Accounts Department Office of the Controller General of Defence Accounts New Delhi-22, the 10th September 1974

No. 40011(2)/74-AN-A—The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
1	2	3	4	5
Sarvashri				
1.	A. K. Mukherjee (P/123)	Permanent Accounts Officer	31-12-74 (AN)	Controller of Defence Accounts, Patna.
2.	D. S. N. Murthy (P/163)	Permanent Accounts Officer	30-11-74 (AN)	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.

1	2	3	4	5
Sarvashri				
3. Miri Mal Bansal (P/206)	Permanent Accounts Officer	28-2-75 (AN)	Controller of Accounts (Air Force) Dehra Dun.	
4. K. Govindan Kutty Nair (P/220)	Permanent Accounts Officer	30-11-74 (AN)	Controller of Accounts (Other Ranks) South, Madras.	
5. Munshi Ram Jain, (O/291)	Officiating Accounts Officer	28-2-75 (AN)	Controller of Accounts (Air Force) Dehra Dun.	

Shri K. Govindankutty Nair has been granted 55 days earned leave from 7-10-74 to 30-11-74 preparatory to his retirement.

S. K. SUNDARAM,
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 7th September 1974

No. 18(1)/73-CLBII/A.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 12 of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962 and with the previous sanction of the Central Government and in supersession of the Textile Commissioner's Notification No. 7(1)/63-Control dated 20th November, 1964, I hereby authorise all the officers in the office of the Textile Commissioner at Headquarters and in the Regional Offices, not below the rank of an Assistant Director or an Assistant Enforcement Officer to exercise on my behalf the powers of the Textile Commissioner under Clause 10 of the said order.

No. 18(1)/73-CLB II/B.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerlooms), Control Order, 1956 I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 4/1761-Control, dated the 31st January, 1961, namely :—

In the Table appended to the said Notification, for the existing entry, under column 2, the following entry shall be substituted namely :—

"All Officers in the Office of the Textile Commissioner at Headquarters and in the Regional Offices not below the rank of an Assistant Director or an Assistant Enforcement Officer,"

G. S. BHARGAVA,
Joint Textile Commissioner.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 4th September 1974

No. A-1/1(899).—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri N. B. Dutta, Superintendent in the office of the Director of Inspection, Calcutta to officiate on *ad hoc* basis as Assistant Director (Administration) (Grade II), in the office of the Deputy Director General, Supplies & Disposals, Calcutta with effect from the forenoon of 12th August, 1974 and until further orders.

The 5th September 1974

No. A-1/1(949)/73.—The President is pleased to appoint Shri G. L. Chandna, Machine Supervisor and Shri H. S. Bhasin, Senior Economic Investigator to officiate on *ad hoc* and temporary basis as Assistant Director (Information Retrieval) (Grade I), in the Directorate of Supplies and Disposals, Bombay and in the office of the Deputy Director General (Supplies & Disposals), Calcutta with effect from 28-3-1974 and 9-8-1974 respectively and until further orders.

S. K. JOSHI, Dy. Director (Admin.).

DEPARTMENT OF SUPPLY

(Admn. Branch A-6)

New Delhi, the 6th September 1974

No. A-6/247(43)/73.—Shri V. V. Rangnekar Dy. Director of Inspection, Bombay in the Engg. Branch of Grade II, of the Indian Inspection Services, Class I under the Directorate General of Supplies & Disposals retired from Govt. service in the afternoon of 31-7-74, on attaining the age of superannuation.

S. K. JOSHI,
Dy. Director (Admn.)
for Director General of Supplies & Disposals.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

(DEPARTMENT OF MINES)

Geological Survey of India

Calcutta-13, the 6th September 1974

No. 3(7)/71(TP)/19B. 3720B.—Shri T. Pundarikakshudu is appointed as Asstt. Mechanical Engineer in the Geological Survey of India, in the minimum of the pay of Rs. 350/- per month in the scale of pay of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 6th June, 1974, until further orders.

No. 2181(PCM)/19B. 3718B.—Shri Prayag Chandra Mandal, M.Sc., S.T.A. (Chem.), Geological Survey of India is appointed as Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 3rd July, 1974, until further orders.

The 10th September 1974

No. 2222(RNS)/19A. 3849B.—Shri Radha Nand Singh, is appointed as an Asstt. Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of 14-6-1974, until further orders.

The 12th September 1974

No. 2222(SKA)/19A. 3891B.—Shri Satyendra Kumar Awasthi, is appointed as an Asstt. Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 15th July 1974, until further orders.

C. KARUNAKARAN,
Director General.

SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 6th September 1974

No. C-4899/718-A.—Shri J. P. Sharma, Officiating Superintendent, Surveyor General's Office who was appointed to officiate in the post of Establishment and Accounts Officer

(GCS Class II) in the Indian Photo-interpretation Institute, Dehra Dun, vide this office Notification No. C-4828/718-A dated the 30th April, 1974 is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer in the Indian Photo-interpretation Institute, Survey of India, Dehra Dun on a regular basis with effect from the 5th August, 1974, until further orders *vice* Shri H. L. Nanda, Establishment and Accounts Officer proceeded on leave preparatory to retirement.

HARI NARAIN,
Surveyor General of India,
(Appointing Authority).

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 13th September 1974

No. 15/7/72-Vig.—Consequent on his reversion from the post of Extension Officer, Family Planning, All India Radio Trivandrum, to his cadre post of Assistant News Editor, at the same Station, Shri C. S. Pillai has relinquished the charge of the post of Extension Officer, Family Planning on the forenoon of 5th August, 1974.

HARJIT SINGH,
Deputy Director Administration,
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th September 1974

No. F.34-43/73-CHS.I.—Consequent on his transfer Dr. T. K. Basu, an officer of G.D.O. Gr. I of the C.H.S., relinquished the charge of the post of Medical Officer under the Central Government Health Scheme, Delhi, on the afternoon of 31st July, 1974 and assumed the charge in the same capacity at the Safdarjung Hospital, New Delhi on the forenoon of 1st August, 1974.

G. PANCHAPAKESAN,
Deputy Director Administration (CHS)

New Delhi, the 10th September 1974

No. 9-1/74-Admn.I.—The Director of Administration and Vigilance in the Directorate General of Health Services is pleased to accept the resignation from service of Kumari Bimla Masih, Tutor, College of Nursing, New Delhi, with effect from the afternoon of the 31st December, 1973.

No. 27-4/73-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Krishanlal Hiralal Kanoujia, to the post of Assistant Entomologist, at the Regional Filaria Training and Research Centre, National Institute of Communicable Diseases, Calicut, on the forenoon of 10th June, 1974.

Consequent on the appointment of Shri Kanoujia to the post of Assistant Entomologist Shri M. S. Bendle, relinquished charge of the post of Assistant Entomologist at the same Centre, on the forenoon of 10th June, 1974.

The 12th September 1974

No. 11-3/74-Admn.I.—In continuation of this Directorate's notification No. 11-3/74-Admn.I(B) dated the 15th July, 1974, the President is pleased to appoint Shri G. Panchapakesan, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the C.S.S. for the following periods :—

- (i) From the forenoon of the 1st June, 1974 to the afternoon of the 18th June, 1974,
- (ii) From the forenoon of the 20th June, 1974 to the afternoon of 2nd August, 1974.

The President is also pleased to appoint Shri G. Panchapakesan, as Deputy Director Administration in the Directorate General of Health Services for the above periods.

9—266GI/74

No. 11-3/74-Admn.I.(C).—In continuation of this Directorate's notification No. 11-3/74-Admn.I(C) dated the 16th July, 1974, the President is pleased to appoint Shri K. C. Misra, a permanent Officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service to officiate in Grade I of the C.S.S. for the following periods :—

- (i) From the forenoon of the 1st June, 1974 to the afternoon of 29th July, 1974;
- (ii) From the forenoon of 31st July, 1974 to the afternoon of 2nd August, 1974.

The President is also pleased to appoint Shri K. C. Misra, as Deputy Director (Administration) in the Directorate General of Health Services for the above periods.

No. 17-52/72-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Indranil Chakraborti as Junior Analyst in the Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad on *ad hoc* basis from the forenoon of the 14th November, 1972 to the afternoon of the 8th May, 1974.

2. The Director General of Health Services is further pleased to appoint Shri Indranil Chakraborti in the same post on a temporary basis with effect from the forenoon of the 9th May, 1974 and until further orders.

S. P. JINDAL
Deputy Director Administration

MINISTRY OF AGRICULTURE

DEPARTMENT OF AGRICULTURE

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Nagpur, the 1974

No. F.74/15/72-D.I.—In partial modification of notification as F.74/15/73-D.I. Dt. 4-7-73, published in the Gazette of India Part III, Section I dated 21-7-1973 (Pages 1843 to 1844) the name of Shri S. P. Bhasin, Assistant Marketing Officer wherever occurring in the said notification may be treated as *cancelled*.

The 11th September 1974

No. F.3(13)52/74-D.II(Vol. II).—In exercise of the powers conferred by the Ministry of Finance (Department of Revenue and Insurance) Customs Notifications Nos. 48 dated the 24th May, 1954, No. 173 dated the 29th December, 1954 and No. 5 dated the 14th January, 1961. I hereby authorise Shri G. Gopala Rao, Dy. Senior Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of the notification, in respect of Wool, Bristles & Goat Hair which have been graded in accordance with the Wool Grading and Marking (Amendment) Rules, 1962, Bristles Grading and Marking (Amendment) Rules, 1973 and Goat Hair Grading and Marking (Amendment) Rules, 1962 respectively and the export of which is subject to the provisions of the above notifications.

DEPARTMENT OF COOPERATION

The 9th July 1974

No. F.74/15/72-DI.—I, N. K. Muralidhara Rao, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification Nos. (1) SRO 3184 dated the 28th December, 1956 (2) 83 dated the 29th July, 1961 (3) 3752 dated the 26th December, 1955 and (4) 157 dated the 22nd June, 1963, hereby authorise Shri G. H. Dhankar Assistant Marketing Officer, Directorate of Marketing and Inspection, Sub-Office Kanpur to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this Notification in respect of (1) Sandalwood Oil (2) Palmarosa Oil (3) Lemongrass Oil (4) Vetiver Oil, which have been graded in accordance with the Essential Oils Grading and Marketing Rules, 1954, as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications.

The 11th September 1974

No. F.4-5(26)/74-A I.—On the basis of the recommendations of the Union Public Service Commission Shri J. K. Bhattacharya has been appointed as Marketing Development Officer (Cold Storage Refrigeration) on the officiating basis in the Directorate of Marketing & Inspection at Madras with effect from 13-8-1974 (F.N.) until further orders.

The 13th September, 1974

No. F.74/15/72-DJ.—I. N. K. Muralidhara Rao, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India, in exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification Nos. (1) SRO 3184 dated the 28th December, 1956 (2) 83 dated the 29th July, 1961 (3) 3742 dated the 26th December, 1955 and (4) 157 dated the 22nd June, 1963, hereby authorise Shri A. C. Guin, Assistant Marketing Officer, Directorate of Marketing and Inspection, Sub-Office, Kanpur to sign the Certificates of Grading from the date of issue of this Notification in respect of (1) Sandalwood Oil (2) Palmatosa Oil (3) Lemongrass Oil (4) Vetiver Oil, which have been graded in accordance with the Essential Oils Grading and Marking Rules, 1954 as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned notifications

N. K. MURALIDHARA RAO,
Agricultural Marketing Adviser.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE

PERSONNEL DIVISION

RECRUITMENT SECTION, CENTRAL COMPLEX

Bombay 400 085, the 24th August 1974

No. PA/79(9)/74-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Nagarajan Venkatasubramanian, a permanent Assistant Personnel Officer in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Administrative Officer I on a temporary basis in the same Research Centre with effect from the forenoon of June 1, 1974 upto the afternoon of July 15, 1974 vice Kum. II B Vijayakar Administrative Officer I granted leave

No. PA/79(11)/72-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Smt. Rose Cherian, a permanent Stenographer (Sr.) in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Personnel Officer on a temporary basis in the same Research Centre, with effect from the forenoon of July 19, 1974, until further orders.

The 29th August 1974

No. PA/79(11)/72-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Waman Sakham Dixit, a permanent Upper Division Clerk and a temporary Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Research Centre, with effect from the forenoon of May 30, 1974, upto the afternoon of July 18, 1974.

The 30th August 1974

No. PA/79(9)/74-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Pandurang Samhdixit Mokhasi, a permanent Stenographer (Sr.) in the Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Research Centre, with effect from the forenoon of March 1, 1974, upto the afternoon of May 24, 1974.

P. UNNIKRISHNAN,
Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota, the 3rd September 1974

No. RAPP/04831/3/68/65.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project, is pleased to appoint Shri D. K. Sen, Accounts Officer, of office of the Accountant General, Ranchi (Bihar), as Accounts Officer in this project at plant site (Rawatbhata) with effect from the forenoon of 10th August, 1974 until further orders.

GOPAL SINGH,
Administrative Officer (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL
AVIATION

New Delhi, the 9th September 1974

No. A-32014/1/74-ES.—Shri R. Montes, Senior Instructor Link Trainer, Civil Aviation Department, has been granted leave for 99 days as leave preparatory to retirement with effect from 24th June 1974 with permission to prefix Sunday the 23rd June 1974 to his leave.

At the end of the leave Shri R. Montes will retire from Government service with effect from the 1st October 1974.

S. GUPTA,
Assistant Director Administration

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 10th August 1974

No. F(I)00893.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Sant Prasad as Assistant Meteorologist in the Indian Meteorological Service, Class II (Central Service, Class II) in a temporary capacity with effect from the forenoon of 1st August, 1974 and until further orders.

Shri Sant Prasad has been posted in the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Nagpur.

NOOTAN DAS,
Meteorologist
for Director General of Observatories.

COLLECTORATE OF CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

Nagpur, the 5th September 1974

No. 9/74.—On appointment as Assistant Collector, Shri Onkar Nath, lately posted as Superintendent of Central Excise Class I, in Baroda Collectorate assumed charge as Assistant Collector of Central Excise in Hqs. Office, Nagpur, in the forenoon of 27th July, 1974

R. N. SHUKLA,
Collector
M. P. & Vidarbha, Nagpur.

Cochin-3, the 4th July 1974

(CENTRAL EXCISE WING)

C. No. II/3/11/74-Estt.I.—Shri V. K. Chacko, Inspector of Central Excise (Senior Grade) of this Collectorate has been appointed to officiate as Superintendent of Central Excise, Class II Kayamkulam M.O.R. with effect from the afternoon of the 6th June, 1974.

G. SANKARAN,
Collector,

OFFICE OF THE CHIEF ENGINEER SALAL HYDRO
ELECTRIC PROJECT JYOTIPURAM

Jyotipuram, the 2nd September 1974

No. CESP/EC-48/74-Gaz/16022-34.—Shri Kuldip Raj Sawhney, an officer of J&K Govt. is appointed on deputation as Assistant Engineer on *ad hoc* basis with effect from 29th July, 1974 for a period of six months.

(Sd.) ILLEGIBLE
Chief Engineer

CENTRAL WATER AND POWER COMMISSION
(WATER WING)

New Delhi, the 5th August 1974

No. A-19012/430/73-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-19012/430/73-Adm.V., dated the 13th June, 1974, the Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri S. Guha, Research Assistant to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and *ad hoc* basis, for a further period of three months with effect from 10-7-74 to 9-10-74 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 7th September 1974

No. A-19012/394/73-Adm.V.—The Chairman, Central Water and Power Commission hereby appoints Shri P. C. Jain, Senior Professional Assistant to officiate in the grade of Extra Assistant Director (Statistics) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) on a purely temporary and *ad hoc* basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 5-6-74 to 2-1-75 or till the regular incumbent of the post Shri D. P. Mishra returns from deputation and rejoins his duties as Extra Assistant Director in this Commission whichever is earlier.

Shri P. C. Jain took over charge of the office of EAD (Statistics) C.W. & P.C. (WW.) with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON
Under Secretary,
for Chairman, C.W. & P. Commission.

NORTHERN RAILWAY

New Delhi, the 29th August 1974

No. 17.—Sarva Shri Sukhdev Singh Brar and Harbilas Rai, (Released Emergency Commissioned Officers) working as Assistant Security Officer in Class II service of the Railway Protection Force, (Security Department), Northern Railway are confirmed in class II service in that Department of this Railway with effect from 7-5-70 and 16-7-71 respectively.

C. S. PARAMESWARAN
General Manager.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Paramount Rubber Co. Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 24694/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Paramount Rubber Co. Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Agency Advertising Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 23714/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Agency Advertising Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Grey Hound Transport Company of India Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 27668/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Grey Hound Transport Company of India Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Kisan Mitra Fertiliser Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 26705/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Kisan Mitra Fertiliser Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Monmohan Oil Mills Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 23603/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof

the name of the Monmohan Oil Mills Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Gulabroy Kashinath Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 22097/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Gulabroy Kashinath Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Bildrite Constructions Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 27413/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Bildrite Constructions Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Paper Stores Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 13804/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Paper Stores Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Everst Cine Corporation Private Limited.*

Calcutta, the 7th September 1974

No. 21820/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Everst Cine Corporation Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. R. SIRCOR
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Narottamdas Maganlal Agriculture Private Limited.*

Ahmedabad, the 6th September 1974

No. 410/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Narottamdas Maganlal Agriculture Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA,
Registrar of Companies,
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Tihut Financing Corporation Private Limited*

Patna, the 7th September 1974

No. 6(677)73-74/2714.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Tihut Financing Corporation Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Ranchi Textile Mills Limited.*

Patna, the 9th September 1974

No. 2(214)74-75/2790.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 the name of the Ranchi Textile Mills Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Chotanagpur Plastics Private Limited.*

Patna, the 9th September 1974

No. 1(884)/74-75/2770.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of the Chotanagpur Plastics Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

S. P. TAYAL,
Registrar of Companies,
Bihar.

FORM ITNS

(2) Shri Pradyumnakumar Jethalal Damany
3, Gautamnagar, Race Course Circle
Baroda

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE II
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad 380009, the 28th August 1974

Ref No PR 142/Acq 23-208/6-1/74-75 —Whereas, I,
P N Mittal
being the competent authority under Sec. 269B of the Income
tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing
Open land bearing Plot No 10 out of Survey No 525,
situated at near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred as per deed registered under
the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office
of the Registering Officer at
Baroda on 29-1-1974, for an
apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Lodge Eynell Ierth No 43
through its Managing Trustee,
Shri Manubhai Dahyabhai Purohit
Advocate Sayaji-ganj, Baroda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Plot No 10 out of Survey No 525 measuring 5166 Sq ft near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda, as described in Sale Deed bearing registration No 317 of January 1974—Registering Officer Baroda

P N MITTAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax

Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date 28th August 1974

Seal :

FORM INS ———

(2) S/Shri Hemant Gordhanbhai Patel
Gordhanbhai Hathibhai Patel
Padia Road, c/o Dinesh Mills Ltd., Baroda

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE II
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009 the 28th August 1974

Ref No PR 143/Acq 23 209/6-1/74-75—Whereas, I, P N Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/ and bearing No Open land bearing Plot No 11 out of Survey No 525 situated near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Baroda on 29-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely —

- (1) Lodge Tyrrell Leith No 43,
through the Managing Trustee,
Shri Manubhai Dabhyabhai Patil
Advocate Sayaji-nagar, Baroda

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Open land bearing plot No 11 out of Survey No 525 adjoining 5166 Sq ft near Sampatrao Colony Race Course Road Baroda, as described in Sale Deed bearing Registration No 315 of January 1974—Registering Officer, Baroda

P N MITTAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-II
Ahmedabad

Date 28th August 1974

Seal

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 28th August 1974

Ref. No. CR.62/2076/73-74/Acq(B).—Whereas, I. R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27 (old No. 20) situated at Cubbon Road, Civil Station, Bangalore-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore on 25-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Kumari Mariyam Bagum Raza alias Bibi Mash-
ala,
2. Mrs. Sahzadha Begum Shushtary,
"Saadat Gardens" No. 13, Aga Abdulla Road,
Bangalore-25.

(Transferor)

- (2) Shri Ashok Gruha Nirmana Sahakara Sangha, Ltd.,
No. 30/1, Vani Vilas Road,
Bangalore.

(Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land together with buildings, out-houses and other constructions standing thereon in the Premises No. 27 (old No. 20) Cubbon Road, Civil Station, Bangalore vide schedule of the sale deed No. 3618 dated 25-1-1974 (Site measuring 17,670 sq. ft.)

BOUNDARIES

East : No. 21, Cubbon Road, 190'
West : Premises of Shri M. Saryothama Rao, 190'
North : No. 34, Infantry Road, 98'
South : Cubbon Road, 88'.

Document No. 3618 dated 25-1-74.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 28th August 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27 the 28th August 1974

Ref No C R 62/2100/73 74/ACQ(B) —Whereas, I, R. Krishnamoorthy, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Bangalore being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Premises bearing Nos 154, 155, 156 and 157 situated at Chick Bazar Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Shivajinagar, Bangalore on 18-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter recorded by me

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri V N Shankar S/o, Sri V S Natarajan
No 6 Button Road Bangalore 25

(Transferor)

- (2) Miss T M Shivashankari
D/o Sri T N Manikavelu,
37 Nehru Circle, Nehrunagar Bangalore-29.

(Transferee)

- (3) 1 Shri P Gopala Nair
- 2 Shri R B Sanyashi
- 3 Shri Abdul Fazal
- 4 Shri S K Datta

[Person(s) in occupation of the Property]

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Premises bearing Nos 154, 155, 156 and 157 Chick Bazar Road Bangalore (6, 7 and 7A, Modi Majid Road, Civil Station, Formerly known as No 1 Chick Bazaar Road)

Cellar floor—3 20 squares

Ground floor—24 44 squares (Site measuring 4,416 sq ft)

First floor —22 66 squares

BOUNDARIES

North Modi Majid Road.

South Chick Bazaar Road

East Mullia Naidu's property

West Queen's Road

Document No 3517 dated 18-1-1974

R KRISHNAMOORTHY

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 28th August 1974

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th August 1974

Ref. No. PR.145/Acq.23-211/6-2/74-75 —Whereas, J. P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land bearing Plot No. 13 out of Survey No. 525 situated near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Baroda on 29-1-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Sec. 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely —

10—266GI/74

(1) Lodge Tyrell Leith No. 43,
through its Managing Trustee,
Shri Manubhai Dahyabhai Purohit,
Advocate, Sayaji-ganj, Baroda.

(Transferor)

(2) Smt. Chanchulben Ambalal Patel,
Lokhandvala Building, Pratapnagar,
Baroda

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Plot No. 13 out of Survey No. 525 admeasuring 5048 Sq. ft. situated near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda as described in Sale Deed bearing Registration No. 313 of January 1974 of Registering Officer, Baroda

P. N. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Ahmedabad

Date 28th August 1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th August 1974

Ref. No. PR.148/Acq.23-214/6-1/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Open land bearing Plot No. 16 out of Survey No. 525 situated near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Baroda on 29-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely—

(1) Lodge Tyrrell Leith No. 43,
through its Managing Trustee,
Shri Manubhai Dahyabhai Purohit,
Sayaji-ganj, Baroda.

(Transferor)

(2) Shri Mohanlal Kashibhai Patel,
near Sardar Bhavan, Jubilee Garden,
Baroda.

(Transferee)

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Plot No. 16 out of Survey No. 525 admeasuring 4836 Sq. ft. near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda as described in Sale Deed bearing Registration No. 319 of January 1974 of Registered Officer, Baroda.

P. N. MITTAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 28th August 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD
AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th August 1974

Ref. No. PR.149/Acq.23-213/6-1/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Open land bearing Plot No. 15 out of Survey No. 525 situated near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Baroda on 29-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Lodge Tyrrell Leith No. 43,
through its Managing Trustee,
Shri Manubhai Dabhyabhai Purohit,
Advocate, Sayaji-ganj, Baroda.

(Transferor)

(2) S/Shri Chandrakant Satyendraprasad Nagarsheth,
Shailosh Chandrakant Nagarsheth,
Pratap Road, Raopura, Baroda.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Plot No. 15 out of Survey No. 525 near Sampatrao Colony, Race Course Road, Baroda measuring 5084 Sq. ft. as described in Sale Deed bearing Registration No. 311 of January 1974—Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Ahmedabad.

Date : 28th August 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref. No. C.R.62/2027/73-74/ACQ(B).—Whereas, 1. Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 9, 19th Cross situated at Malleswaram, Bangalore-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajajinagar, Bangalore-10 on 2-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri G. V. N. Acharaya,
S/o Late Sri G. Srinivasa Murthy,
No. 1028, 5th Block Rajajinagar,
Bangalore-10.

(Transferor)

- (2) Shri B. P. Sridhar,
S/o Shri B. A. Parthasarathy Iyengar,
No. 8, 9th Cross Road, Malleswaram,
Bangalore-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Corporation No. 9 (Municipal No. 29/580 old) 19th Cross, Malleswaram, Bangalore-3 (Site measuring 6,825 Sq. ft.)

East to West 65 ft	North Facing
North to South 105 ft.	South Conservancy
Document No. 3944, dated 2-1-1974.	

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bangalore

Date : 22-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Sushil Kumar & others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Shri Sugnamal.

[Person(s) in occupation of the property]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
LUCKNOW

Lucknow the 4th September 1974

Ref. No. 34-S/Acq.—Whereas, L. K. N. Misra, I.A.C.,
Acquisition Range, Lucknow,
being the CompetentAuthority under section 269D of the Income-tax Act,
1961 (43 of 1961) have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. Nil situated at Aminabad, Lucknow

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred as per
deed registered under the Indian Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Lucknow on 14-1-1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the transferor(s)
and the transferee(s) has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of
of 1961) in respect of any income arising from the
transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
have been recorded by me.Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
herby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Smt. Saidunnisa & others.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.It is hereby notified that a date and place for hear-
ing the objections, if any, made in response to this
notice against the acquisition of the immovable pro-
perty will be fixed, and notice thereof shall be given
to every person who has made such objection, and the trans-
feree of the property.It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the objections.EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed building measuring 55×15 is situated
at Aminabad, Lucknow.

K. N. MISRA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range

Lucknow

Date : 4-9-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1
123, MOUNT ROAD-MADRAS-6

Madras-6, the 2nd September 1974

Ref. No. F. IX/5/75/73-74.—Whereas, I. K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 254/256 situated at N.S.C. Bose Road, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer, at SRO, Sowcarpet on January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid, exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Fattima Bhai Jafar Ali Rahim,
Moonlight Church Gate Reclamation,
Bombay.
Iowa Avenue Toronto, Ontario,
Canada, M4C. 4K9.

(Transferor)

- (2) Sri A. N. Kuppuswamy Chetty.
22, Ellakandappan Street, Edapalayam,
Park Town, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building—254/256, N.S.C. Bose Road, Madras-1. 1645 sq. ft. R S. No. 11029.

K. V. RAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Madras-6

Date : 2-9-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 2nd September 1974

Ref. No. A.R.III/425/74-75.—Whereas, I, Shri R. G. Nerurkar, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 162, Survey No. 161 situated at Goregaon (West) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registrar's Office on 21-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (i) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Laxmi Asbestos Products Ltd.,
Shreeniwas House, Waudby Road,
Fort, Bombay-1.

(Transferor)

- (2) Shyam Sunder Kasat.
C/o Andhra Pradesh Paper Mills Ltd.
Shreeniwas House, H. Somani Marg,
Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THAT piece or parcel of land or ground being Plot No. 162 situate lying and being on the Village Pahadi Goregaon (West) Taluka Borivli in the Registration Sub-District Bandra District Bombay Suburban now in Greater Bombay and bearing S. No. 161 (Part) and admeasuring 950 sq. yds. equivalent to 794.32 metres and bounded as follows: that is to say on or towards the West by Plot No. 172 on or towards the East by 30 feet wide Road on or towards the North partly by Plot No. 163 and on or towards the South by 60 feet wide Mahatma Gandhi Road.

R. G. NERURKAR

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 21-9-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IIIAAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 2nd September 1974

Ref. No. A.R./III/412/74-75.—Whereas, I, Shri R. G. Nerurkar, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 177, Survey No. 161 situated at Goregaon (West) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar's Office Bombay on 21-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—
Dated : 1st August, 1974

(1) M/s. Laxmi Asbestos Products Ltd.,
Shreeniwas House, 4th floor,
Hazarimal Somani Marg,
Fort, Bombay-1.

(Transferor)

(2) Govindas Gangudas Mehta,
75/79 Old Hanuman Lane,
Bombay-2.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.:-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to which notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 177, Survey No. 161, M.G. Road, Bangur Nagar,
Goregaon (West), Bombay-62, Area—1360 sq.yds.

R. G. NERURKAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Bombay

Date : 2-9-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX
ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III

AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 2nd September 1974

Ref. No. A.R./III/456/74-75.—Whereas, I, Shri R. G. Nerurkar, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 24, Hissa No. 7 situated at Malad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar's Office Bombay on 15-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

11—266GI/74

(1) Shri Motibhai Narenbhai Patel, Alka,
Marve Road, Malad (West), Bombay-64.
(Transferor)

(2) M/s Paras Builders,
1/14A, Harharwala Bldg.,
S.V.P. Road, Bombay-4.
(Transferee)

(4) Kum. Vimlaben K. Patel, C/o Bhudhdas Chemical,
Moti Udyog, Ramchandra Lane, Malad, Bombay-64.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

ALL THOSE pieces or parcels of vacant land or ground being Survey No. 24, Hissa No. 7, (part), Plot No. 13B, part of Moti Udyog Nagar being new C.T.S. No. 348, part situate lying and being at village Valrai (Malad) in Greater Bombay in the Registration Sub-District of Bandra, Taluka Borivalli District Bombay Suburban now in Greater Bombay containing by admeasurement total area of 765 square yards equivalent to 639-64 square metres or thereabouts and bounded as follows that is to say on or towards the North by property bearing Survey No. 24 Hissa No. 5, on or towards the South by Road, on or towards the East by Survey No. 24, Hissa No. 7 and on or towards the West by Survey No. 24 Hissa No. 7 (part).

R. G. NERURKAR
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 2-9-1974

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG,
BOMBAY-20

Bombay-20, the 2nd September 1974

Ref. No. AR-II/958/1998/74-75.—Whereas, I, V. R. Gupte, the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 2A, H. Nos. 4, 6A, 6B & 20 City S. No. 120, S. No. 2A, H. Nos. 5A & 5b & City S. No. 120 situated at Juhu Village (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bombay on 25-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269 C 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FIRST : ALL THOSE pieces or parcels of Non-agricultural land admeasuring about 14,352 square yards equivalent to 12,056 square metres or thereabouts with buildings and structures standing thereon bearing Survey No. 2A, Hissa Nos. 4, 6A, 6B and 20 and City Survey No. 120 in Juhu Village in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban in Greater Bombay and bounded on the West partly by the Road and partly by S. No. 2A Hissa Nos. 5A and 5B on the East by a Khari i.e. Creek (Survey No. 70-A) on the North by Survey No. 3, Survey No. 2A, Hissa Nos. 7B, 7A and Survey Nos. 3B and 3A and on the South by Survey No. 2A, Hissa Nos. 2 and 3 and delineated on the plan hereof hereto annexed and marked thereon surrounded by a red coloured boundary line and assessed by the Municipal Corporation of Greater Bombay under K Ward Nos. 10099 R/273, K-10161 (13) K-10162 (1 to 3) and K-10163 (1 to 3).

SECOND : All those pieces or parcels of land admeasuring about 5657 square equivalent to 4752 square metres or thereabouts bearing Survey No. 2A Hissa Nos. 5A and 5B and City Survey No. 120 in Juhu Village in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban in Greater Bombay and bounded on the West by the Road, on the East by Survey No. 2A Hissa Nos. 4, 6A and 6B, on the North by Survey No. 2A, Hissa No. 2C and on the South by Survey Nos. 2A Hissa No. 3 and delineated on the plan thereof hereto annexed and thereon surrounding by a green coloured boundary line assessed by Greater Bombay Municipal Corporation of Greater Bombay under K ward No. 10163(5) K-10100(2) K-10100(1) and K-10160.

V. R. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

(1) Smt. Chandrabai A. B. Nair

(Transferor)

(2) The International Society for Krishna Consciousness,
(Transferee)

Date : 2-9-1974
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE
60/61 Erandawana KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 28th August 1974

Ref No CA 5/Kalyan/January'74/133/74-75 —Whereas
I G Krishnan,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs 25,000/ and bearing
S No 113, Plot No 5 Mouje Dombivli situated at Dombivli
Dist Thana
(and more fully described in
the Schedule annexed hereto), has been transferred as per
deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kalyan on 30th Jan 1974
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income Tax
Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the
acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded
by me,

Now, therefore in pursuance of section 269C I hereby
initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid prop-
erty by the issue of this notice under sub section (1) of
section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to
the following persons, namely —

- (1) Shri Vithal Govind Kamtkar
C/o Dr R V Kamtkar,
At and Post Deorukh Dist Ratnagiri (Transferor)
- (2) Shri Shrikant Manohar Bhandarkar,
Raviprabha, Shastrinagar Dombivli (West),
Dist Thana (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later,
- (b) by any of the person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the
objections, if any, made in response to this notice against the
acquisition of the immovable property will be fixed, and
notice thereof shall be given to every person who has made
such objection and the transferee of the property

It is hereby further notified that every person to whom
notice is given under the preceding paragraph shall have a
right to be heard at the hearing of the objections

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the Income-tax
Act 1961 (43 of 1961) shall have the same
meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

S No 113, Plot No 5, Mouje Dombivli with house
Built in 1965 Ground floor Free-hold
Built-up area 476 Sq yds
Total Area 2327 Sq yds

G. KRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona

Date 28-8 1974
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME
TAX, ACQUISITION RANGE IV,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 31st August 1974

Ref. No. AC-95/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, George Varghese, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Holding No. 74 situated at Bhatpara Municipality, 24-Parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Registrar of Assurances, Calcutta on 14-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid pro-

perty by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) M/s Hindustan Wire and Metal Products Ltd.
Nicco House 1 and 2 Hare St.
Calcutta-1.

(Transferor)

- (2) The National Insulated Cable Co. of India Ltd.

(Transferee)

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory Premises and lands, area . Bigha 19 Kottah 3 chhattacks 22 Sq. ft. more or less being Holding No. 74 Bhatpara Municipality, 24-Parganas, Factory shed, vacant lands and Machinery more particularly described in the Instrument of Transfer.

GEORGE VARGHESE

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Calcutta

Date : 31-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE
INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, CALCUTTA
54, RAJI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16

Calcutta, the 27th August 1974

Ref. No. AC-94/R-IV/Cal/74-75.—Whereas, I, George Varghese, being the competent authority under section 269D of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing Dag No. 38, 146, 41, 70, 88, 89 situated at Bhatra, Barasat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer, Sub-Registrar of Barasat on 10-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Animesh Chandra Chakravorty,
S/o Late Prabodh Chandra Chakravorty,
Vill-Bhatra Ramesh Pally, Barasat.
(Transferor)
- (2) S/Shri Amulya Chandra Paul, Gopinath Paul,
Badal Kumar Paul and Amelendu Paul all of Vill.
Bhatra Pally, Barasat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8½ decimal of land at Dag Nos. 38, 146, 41, 70, 88, 89 Bhatra, Barasat with building thereon as described in the Instrument of Transfer.

GEORGE VARGHESE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
Calcutta

Date : 27-8-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2,
123, MOUNT ROAD-MADRAS-6

Madras-6, the 30th August, 1974

Ref. No. F. 887/73-74.—Whereas, I, A. Raghavendra Rao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 1 situated at Adyar Bridge Road, Madras-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore on 10-1-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Shri S. K. Habibullah &
Shri M. S. Kasiviswanathan,
No. 20B, Greenways Road,
Madras-28.

(Transferor)

(2) Shri K. Purushothaman,
Madras Aluminium Ltd.,
Mettur, Salem District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 3 grounds and 27 Sft. bearing R. S. No. 4274/1 Part situated at Plot No. 1, Adyar Bridge Road, Madras-28.

A RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date : 30th August 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-2,
123, MOUNT ROAD-MADRAS-6

Madras-6, the 30th August 1974

Ref. No. F. 1107/74-75.—Whereas, I. A. Raghavendra Rao, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 2, R.S. No. 4274/1 of Mylapore, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Mylapore on 22-5-74 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. K. Habibullah &
Shri M. S. Kasiviswanathan,
No. 20B, Greenways Road
Madras-28.

(Transferor)

- (2) Shri S. V. Mani,
24, Mada Church Road, Santhome,
Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land admeasuring 2 grounds and 2398 Sft. bearing Plot No. 2 in L.A. No. 37 of 1966 and comprised in R.S. No. 4274/1 of Mylapore, Madras.

A RAGHAVENDRA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-2,
Madras-6

Date : 30th August 1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/BTL/AP-1129/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5150 of January, 1974 situated at South East of Vill. Faizpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in January 1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Jaswant Singh
s/o Shri Natha Singh
s/o Shri Phulla Mal
V. Faizpur, Teh. Batala.

(Transferor)

2) Shri Kasturi Lal, Sukhdev Kumar
ss/o Shri Sunder Dass Aggarwal
s/o Shri Bansi Lal
c/o Sansar Engg. Co.
Alliwal Road, Batala.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5150 of January, 1974 of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE.

AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP/-1130/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8659 of January, 1974 situated at Plot No. 30 Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jullundur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Roshan Singh
s/o Shri Bachitter Singh,
Mohalla Suraj Ganj,
Jullundur.

(Transferor)

(2) Dr. Ram Pal
s/o Shri Sham Sunder,
304, Lajpat Nagar,
Jullundur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the proceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 30, Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 8659 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1131/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 8609 of January, 1974 situated at Plot No. 55 Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Roshan Singh,
s/o Shri Bachitter Singh,
W.G. 617, Suraj Ganj,
Jullundur.

(Transferor)

- (2) Shri Sewa Singh Chadha,
s/o Shri Jagat Singh
of V. Chogiti, Teh. Jullundur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above,
[Person(s) in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 55, Shaheed Udham Singh Nagar, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 8609 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range.

Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri Hari Ram s/o Shri Sardari Ram
s/o Shri Jog Ram
R/o Dheengawali, Teh. Fazilka.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/1132/74-75.—Whereas, I. D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2003 of January, 1974 situated at V. Dheengawali, Teh. Fazilka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nura Ram s/o Shri Kesra Ram
s/o Shri Jodha Ram
R/o Dheengawali Teh. Fazilka through Shri Jagdish
s/o Sri Ram
R/o Bodhiwala Pectha, Teh. Fazilka.

(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above.

[Person(s) in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property.

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is, hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2003 of January, 1974 of the Registering Authority, Abohar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Abohar/AP-1134/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2004 of January, 1974 situated at V. Dheengawali Teh. Fazilka (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Abohar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Leelu Ram s/o Shri Asa Ram
R/o V. Deengawali Teh. Fazilka
through Shri Jagdish s/o Sri Ram
R/o Bodhiwala Peetha Teh. Fazilka.

(2) Shri Sopat Ram s/o Shri Sardara Ram
s/o Shri Jag Ram
R/o Dheengawali Teh. Fazilka.

(3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2004 of January 1974 of the Registering Authority, Abohar.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

FORM ITNS— — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Abohar/AP-1134/74-75.—Whereas, I, D.S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2004 and 2076 of January, 1974 situated at V Dheengawali Teh. Fazilka, Abohar in January 1974, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at a Abohar in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Leelu Ram s/o Shri Asa Ram
R/o V. Deengawali teh. Fazilka
through Shri Jagdish s/o Sri Ram
R/o Bodhiwala Peetha Teh. Fazilka
(Transferor)
- (2) Shri Sopat Ram & Khiali Ram
ss/o Shri Sardar Ram s/o Shri Jag Ram
R o V. Dheengawali Teh. Fazilka.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property. (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 2004 & 2075 of January, 1974 of the Registering Authority, Abohar.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 31st August 1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Abohar AP-1135/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 2051 of January, 1974 situated at V. Sukhchain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, Abohar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

- (1) Shri Shokaram Alias Shiv Karan
s/o Shri Bhajan Lal s/o Chetan
r/o V. Sukhchain Teh. Fazilka.
(Transferor)
- (2) Shri Sohan Lal s/o Shri Chetan
s/o Shri Daya Ram
R/o Sukhchain Teh. Fazilka.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2051 of January, 1974 of the Registering Authority, Abohar.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Abohar/AP-1136/74-75.—Whereas, I. D. S. Gupta, being the competent authority, under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 2052 of January, 1974, situated at V. Sito and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Abohar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sohan Lal s/o Shri Chetan Lal
s/o Shri Daya Ram
R/o Sukhchain Teh. Fazilka.
(Transferor)
- (2) Smt. Pari Wd/o Shri Bhajan Lal
s/o Shri Khetan Ram
R/o Sukhchain Teh. Fazilka.
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2052 of January, 1974 of the Registering Authority Abohar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Amritsar

Date : 31st August 1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No ASR/Muktsar/AP 1137/74-75.—Whereas I. D. S. Gupta, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3357 of January, 1974 situated at V. Charewan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Muktsar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfer as agreed to between the transferor(s) and the of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gajjan Singh s/o Shri Thakur Singh & Harnam Kaur, Tejo Ds/o Shri Thakur Singh R/o Charehwan Teh. Muktsar. (Transferor)
- (2) Shri Bohar Singh, Pipal Singh, Balwinder Singh SS/o Shri Jag Singh s/o Charehwan Teh. Muktsar. (Transferee).

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceeding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3357 of January, 1974 of the Registering Authority, Muktsar.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/Muksar/AP-1138/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 3356 of January, 1974 situated at V. Charchwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muksar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) Shri Gajjan Singh s/o Shri Thakur Singh, Harnam Kaur, Tejo Ds/o Shri Thakur Singh s/o S. Deedar Singh R/o Charchwan Teh. Muksar. (Transferor)

(2) Smt. Sant Kaur w/o Shri Hakam Singh s/o Shri Deedar Singh & Roor Singh, Joginder Singh SS/o S. Hakam Singh R/o Charchwan Teh. Muksar. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) As at S. No. 2 above [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3356 of January, 1974 of the Registering Authority, Muksar.

D. S. GUPTA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range.
Amritsar.

Date : 31st August 1974.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/AP-1139/74-75 —Whereas I, D. S
Gupta,

being the competent

authority under Section 269B of the Income-tax Act,
1961 (43 of 1961), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceed-
ing Rs. 25,000/- and bearing No.Property as mentioned in the Registered Deed No. 3427 of
January, 1974 situated at Lohgarh, Amritsar(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has
been transferred as per deed registered under the Indian
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office
of the Registering Officer at

Amritsar in January 1974,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the afore-
said property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
transferor(s) and the transferee(s) has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object
of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Income-tax
Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income
arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings
for the acquisition of the aforesaid property in terms
of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I
hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice
under sub-section (1) of section 269D of the Income-
tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons,
namely:—

- (1) Smt. Tika Dai wd/o Shri Kidar Nath & Shri Dharam
Chand s/o Shri Kidar Nath Kucha Piara Mal, Inside
Lohgarh Gate, Amritsar & Shri Ram Parkash, Kewal
Kishan, Vinod Kumar SS/o Shri Kidar Nath,
Amritsar (Transferor)

- (2) Smt. Janak Wati w/o Shri Puran Chand R/o Chhok
Passian, Gali Matti Wali, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation
of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s)
whom the undersigned knows to be interested in the
property]

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publication
of this notice in the Official Gazette or a
period of 30 days from the service of notice
on the respective persons, whichever period
expires later.
- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of the notice in the
Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing
the objections if any, made in response to this notice
against the acquisition of the immovable property will
be fixed, and notice thereof shall be given to every
person who has made such objection, and the transferee
of the property.

It is hereby further notified that every person to
whom notice is given under the preceding paragraph
shall have a right to be heard at the hearing of the
objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961) shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3427
of January, 1974 of the Registering Authority, Amritsar

D. S. GUPTA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar

Date 31st August 1974

Seal

FORM ITNS ———

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref No ASR/AP-1140/74-75 —Whereas I, D S Gupta, being the Competent Authority under section 269-B of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Property as mentioned in the Registered Deed No. 3428 of January, 1974 of the Registering Authority, Amritsar situated at Lohgarh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Smt Tika Dai wd/o Shri Kidar Nath & S/Shri Dharam Chand Ram Parkash Kewal Kishan, Vinod Kumar SS/o Shri Kidar Nath, Kucha Piara Mal Inside Lohgarh, Amritsar (Transferor)
- (2) Shri Darshan Lal Sham Sunder SS/o Shri Puran Chand R/o Chowk Passian, Gali Matti Wali, Amritsar (Transferee)
- (3) As at S No 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 3428 of January, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date - 31st August 1974

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/AP-1141/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. Property as mentioned in the Registered Deeds Nos. 3427 & 3428 of January, 1974 and 3678 & 3679 of February, 1974 situation at Lohgarh, Amritsar. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred. as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in January 1974, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Smt. Tika Dai Wd/o Shri Kidar Nath & S/Shri Dharam Chand, Ram Parkash, Kewal Kumar, Vinod Kumar SS/o Shri Kidar Nath Shri Surinder Kumar, Kucha Piara Mal, Inside Lohgarh, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Janak Wati w/o Shri Puran Chand Gali Matti Wali Chowk Passian, Amritsar. S/Shri Darshan Lal, Sham Sunder, Kapal Kishore Paimod Kumar, Sudesh Kumar SS/o Shri Puran Chand & Smt. Kamlesh w/o Shri Sudesh Kumar Chowk Passian, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person, who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deeds. No. 3427 & 3428 of January, 1974 and 3678 & 3679 of February, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st August 1974
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-1142/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot of Land as mentioned in the Registered Deed No. 5326 of January, 1974 situated at Bibiwala Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registrar Bhatinda in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Singh s/o Bakshi Singh s/o S. Natha Singh, Ram Singh s/o S. Sarwan Singh etc. R/o Kallawali. (Transferor)
- (2) Shri Diwan Chand, Jethu Ram SS/o Shri Arjan Dass R/o Bhatinda. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 5326 of January, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,

Date : 31st August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/BTD/AP-1143/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 5327 of January, 1974 situated at Bibiwala Road, Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Bhatinda in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Joginder Singh s/o S. Bakshi Singh s/o Shri Natha Singh & Ram Singh s/o Shri Sarwan Singh etc. R/o Kaliawall. (Transferor).
- (2) Shri Diwan Chand, Jethu Ram SS/o Shri Arjan Dass, R/o Bhatinda. (Transferee).
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any of the other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objections and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 5327 of January, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1144/74-75 —Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Land as mentioned in the Registered Deed No 8522 of January, 1974 situated at Basti Sheikh, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jullundur in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dharam Pal, Piem Nath, Pawan Kumar, Vijay Kumar, Mohinder Pal SS/o Shri Nand Kishore s/o Shri Ram Rakha Mal, EF/225 Mandi Road, Jullundur (Transferor)
- (2) Shri Charanji Lal, Gurdial ss/o Shri Jagat Ram s/o Shri Dulla Ram R/o Buta Mandi, Jullundur c/o M/s Cargo Trading Co, Near Central Bank of India, Mandi Road, Jullundur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated as Basti Sheikh, Jullundur as mentioned in the Registered Deed No. 8522 of January 1974, of the Registering Authority, Jullundur

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar,

Date : 31st August 1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/SKT/AP-1145/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land as mentioned in the Registered Deed No. 1517 of January, 1974 of the Registering Authority Shahkot situated at V. Innawal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shahkot in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Amar Singh s/o Paul Singh s/o S. Mohan Singh, V. Innawal, Teh Shahkot. (Transferor)

- (2) S/s Shahkot Rice & General Mills, c/o M/s Ram Parkash Kishan Chand, Shahkot. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Village Innawal as mentioned in the Registered Deed No. 1517 of January, 1974 of the Registering Authority, Shahkot.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st August 1974
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/PHG/AP-1146/74-75.—Whereas I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property as mentioned in the Registered Deed No. 1942 of January, 1974 situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

14—266GI/74

- (1) Shri Amin Chand s/o Shri Ram Rattan Mandi Maharaj Ganj, Phagwara (Transferor)
- (2) Shri Kidar Nath s/o Shri Karam Chand Mehli Gate, Phagwara. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1942 of January 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

D. S. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range.
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/JUL/AP-1147/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 9077 of January, 1974 situated at Dittu Nangal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as for deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reason for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Charan Dass s/o Shri Bhagat Ram Kartarpur. (Transferor)

- (2) M/s Janta Rice & General Mills, Prit Nagar, Kartarpur through Shri Amit Lal, Swaran Singh, Pritam Singh partners, Kartarpur. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Dittu Nangal as mentioned in the Registered Deed No. 9077 of January, 1974 of the Registering Authority, Jullundur.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal -

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. ASR/BTL/AP-1148/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 5186 of January, 1974 situated at Batala West (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in January 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Lal s/o Shri Dawabia Ram of Batala etc. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar s/o Shri Chuni Lal of Batala. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Batala West as mentioned in the Registered Deed No. 5186 of January, 1974 of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st August 1974.
Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/BLT/AP-1149/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5187 of January, 1974 situated at Batala West (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Batala in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Lal s/o Shri Dawabia Ram of Batala etc. (Transferor)
- (2) Shri Charanjeev Lal s/o Shri Chuni Lal of Batala (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated in Batala West as mentioned in the Registered Deed No. 5187 of January, 1974 of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/BTL/AP-1150/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 5097 of January, 1974 situated at Batala West

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Batala in January 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Lal s/o Shri Dawabia Ram of Batala etc. (Transferor)
- (2) Shri Charanjeev Lal s/o Shri Chani Lal of Batala. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land situated in Batala West as mentioned in the Registered Deed No. 5097 of January, 1974 of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st August 1974.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st August 1974

Ref. No. ASR/BTL/AP-1151/74-75.—Whereas, I, D. S. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land as mentioned in the Registered Deed No. 5096 of January, 1974 situated at Batala West (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Batala in January 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And Whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Madan Lal s/o Shri Dawabia Ram of Batala etc. (Transferor)
- (2) Shri Vijay Kumar s/o Shri Chuni Lal of Batala. (Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person(s) in occupation of the Property]

(4) Any person interested in the property. [Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Batala West as mentioned in the Registered Deed No. 5096 of January, 1974 of the Registering Authority, Batala.

D. S. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax, Acquisition Range,
Amritsar.

Date : 31st August 1974.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA

Poona-411004, the 28th August 1974

Ref. No. C.A.5/January'74/Sholapur/132/74-75 —Whereas, J. G. Krishnan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gat No. 155/3-B at Sholapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sholapur on 4-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Chandulal Balaprasad Dube,
2. Smt. Pramila Bai Chandulal Dube,
385, South Kusba Peth, Sholapur.

(Transferor)

(2) Shri Ramayya Kondavva Kondale,
267/67, Raviwar Peth, Sholapur.

(Transferee)

(3) Shri Bhagwan Nihar Awasekar, Sholapur.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and out of Gat No. 155/3-B at Sholapur.

Area : 2 Acres 0 guntha, out of this common 1/2 portion freehold, bounded as follows :

At East—Land bearing Gat No. 154 of Shri Mogallappa Baliram Pogul.

At South—I and of Shri Prabhakar Dube which is sold to you (transferee).

At West—Land belonging to us (transferor) of which lay-outs and plots have been made and sold

At North—Factory of Shri Arkal.

G. KRISHNAN
Competent Authority,
IAC of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona

Date : 28-8-1974

Seal .

FORM JTNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE
60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA

Poona-411004, the 27th August 1974

Ref. No. C.A.5/January'74/Sholapur/131/74-75.—Whereas, I, G. Krishnan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Gat No. 155/3-B at Sholapur (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sholapur on 4-1-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Chandulal Balaprasad Dube,
2. Smt. Pramila Bai Chandulal Dube,
385, South Kasba Peth, Sholapur.

(Transferor)

- (2) Shri Satyanarayan Rmayya Kondale,
267/67, Raviwar Peth, Sholapur.

(Transferee)

- (3) Shri Bhagwan Narhar Awasekar, Sholapur,
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land out of Gat No. 155/3-B at Sholapur.
Area : 2 Acres 0 guntha, out of this common 1/2 portion free-hold, bounded as follows :
At East—Land bearing Gat No. 154 of Shri Moqallappa Baliram Pogul.
At South—Land of Shri Prabhakar Dube which is sold to you (transferee).
At West—Land belonging to us (transferor) of which lay-outs and plots have been made and sold.
At North—Factory of Shri Arkal.

G. KRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Poona

Date : 27-8-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
123 MOUNT ROAD, MADRAS-6

MADRAS-6, the 28th August 1974

Ref. No. F. IX/3/277/73-74.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing door No. 31/2A, situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISR.I, Madras in January 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me,

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Khurshidunnisa Begum
31/2A, Pantheon Road,
Egmore, Madras-8.

(Transferee)

(2) M/s. S. I. Property Development (P) Ltd.
15, Montieth Road,
Egmore, Madras-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Land—4 grounds in R.S. Nos. 1623/1 & 1624/4, Pantheon Road, Door No. 31/2A.

K. V. RAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

MADRAS-6

Date : 28th August 1974

Seal :

FORM ITNS—

Objections, if any, in the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
123 MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 28th August 1974

Ref. No. F. IX/3/271/73-74.—Whereas, J. K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 31/2A, situated at Pantheon Road, Egmore, Madras-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR.I, Madras in January 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Md. Kazim Khaleeli,
31-2A, Pantheon Road,
Egmore, Madras-8.

(Transferor)

- (2) M/s. S. I. Property Development (P) Ltd.
15, Montieth Road,
Egmore, Madras-8.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land—15 grounds & 2354 sft. in R.S. Nos. 1623/1 & 1626/4, Door No. 31/2A, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

K. V. RAJAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

Madras-6

Date : 28th August 1974

Seal :

FORM TNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref. No. C.R.62/2028/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1619, 12th Cross, Hind Stage, Rajajinagar, Bangalore-10 (K.B.G. Bus Road), (2) 190/47, Hind Cross, Nagappa situated at Block, Lakshminarayanapuram, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajajinagar Bangalore-10 on 2-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri P. Doraiswamy
2. Smt. Salamma,
No. 190/47, Hind Cross, Nagappa Block, Lakshminarayanapuram, Bangalore.

(Transferor)

- (2) 1. Shri P. Gangappa,
2. P. Ramaiah,
Lakkur, Somapura Hobli, Nelamangala Taluk,
Bangalore-Dist.
(Transferee)

- (3) 1. Shri Ganapathy,
2. Shri Syed Azam,
3. Gouyayya,
[Person(s) in occupation of the property] 1st Property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (1) 1619, 12th Cross, Hind Stage, Rajajinagar, Bangalore-10 (K.B.G. Bus Road).
- (2) 190/47, Hind Cross, Nagappa Block, Lakshminarayanapuram, Bangalore.

Site Measuring

1. 1170 sft.
 2. 2475 sft.
- Document No. 3951, dated 2-1-1974.

R. KRISHNAMOORTHY
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 22-8-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref. No. C.R. 62/2048/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13/8, situated at Lalbagh High Road, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore-4 on 2-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri Haji S. Mohammed Ismail,
13/8, Lalbagh Road, Bangalore-4.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Abdul Rahim
2. Shri Abdul Subhan
3. Shaikh Mahboob
4. Md. Mustafa and
5. Shri Abdul Rahiman
No. 10, Srinivasa Colony, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises bearing No. 13/8, Lalbagh High Road, Bangalore.
Site Area 7000 Sq. ft. bounded by :

East : Lalbagh High Road.

West : Property belonging to Mrs. Kesarbai Manganlal H. Shah.

North : Property belonging to M. S. Rudrappa and Sons.

South : Property belonging to Mrs. Kesarbai Manganlal H. Shah.

Document No. 3742. dated 2-1-1974.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,

Bangalore

Date : 22-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref. No. C.R.62/2025/73-74/Acq(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Premises No. 458/15 situated at 18th Main Road, IVth 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Jayanagar, Bangalore-11 on 8-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. S. Gopal-Krishnan,
S/o Late Shri K. V. Subramnyam,
No. 485/15, 18th Main Road,
IVth 'T' Block, Jayanagar,
Bangalore-11.

(Transferor)

- (2) Shri A. K. Venkatachala Setty,
S/o Venkataramalah Setty,
No. 485/15, 18th Main Road,
IVth 'T' Block, Jayanagar,
Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 458/15, situated in 18th Main Road, IVth 'T' Block, Jayanagar, Bangalore-11. (Site area measuring 3750 sft.)

The property consists of ground floor and first floor with garage on a site area measuring 3750 sft.

East : Site No. 471.
West : 18th Main Road.
North : Site No. 457.
South : Site No. 459.

Document No. 3244, dated 8-1-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date : 22-8-1974

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref. No. C.R.62/2082/73-74/ACQ(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 85/4, VIIIth Cross situated at Wilson Garden, Bangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Jayanagar, Bangalore-11 on 18-1-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) Shrimati Papamma,
W/o Sri Hanumaiah,
85/4, 8th Cross, Wilson Garden,
Bangalore-27.

(Transferor)

- (2) Shrimati V. Ramarathanamma,
W/o Sri A. K. Venkatachala Setty,
No. 458/15, 18th Main Road,
IVth 'T' Block, Jayanagar,
Bangalore-11.

(Transferee)

- (3) 1. Shri George W. Banagara,
2. Shri Syed Gouse,
3. Shri K. Ramaswamy Reddy,
4. Shri N. Suryanarayana,
5. Shri P. S. Srinivasan,
6. Shri A. S. Muthanna,
7. Shri Lokkanra,
8. Shri V. Venkatachalaiah,
9. Shri Hanumiah.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed, and notice thereof shall be given to every person who has made such objection, and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 85/4, 8th Cross, Wilson Garden Bangalore-27
(Site measuring about 750 sq. ft.)

Document No. 3326, dated 18-1-1974.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bangalore

Date : 22-8-1974

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-27

Bangalore-27, the 22nd August 1974

Ref. No. C.R.62/2026/73-74/ACQ/(B).—Whereas, I, Shri R. Krishnamoorthy, Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 85/4, in 8th Cross, Wilson Garden situated at Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Jayanagar, Bangalore-11 on F.N. ended on 15-1-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

And whereas the reasons for initiating proceedings for the acquisition of the aforesaid property in terms of Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have been recorded by me.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shrimati Papamma,
W/o Sri Hanumalah,
85/4, 8th Cross, Wilson Garden,
Bangalore-27. (Transferor)
- (2) Shrimati V. Ramarathamma,
W/o Sij A. K. Venkatachala Setty,
No. 458/15, 18th Main Road,
IVth 'T' Block, Jayanagar,
Bangalore-11. (Transferee)
- (3) 1. Shri George W. Banagara,
2. Shri Syed Gouse,
3. Shri K. Ramaswamy Reddy,
4. Shri N. Suryanarayana,
5. Shri P. S. Srinivasan,
6. Shri A. S. Muhanna,
7. Shri Lakkanna,
8. Shri V. Venkatachalaiah,
9. Shri Hanumalah.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

It is hereby notified that a date and place for hearing the objections, if any, made in response to this notice against the acquisition of the immovable property will be fixed and notice thereof shall be given to every person who has made such objection and the transferee of the property.

It is hereby further notified that every person to whom notice is given under the preceding paragraph shall have a right to be heard at the hearing of the objections.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storied building No. 85/4, VIIIth Cross, Wilson Garden, Bangalore (Site measuring 1250 Sq. ft.)

Ground floor—11 square each.

1st floor—11 square each.

Ind Floor—8 squares

Document No. 3266, F.N. ended 15-1-1974.

R. KRISHNAMOORTHY

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Bangalore

Date : 22-8-1974

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

ADVERTISEMENT NO 40

Applications are invited for the following posts

1 One post in Gr II—Jt Dir, I S S, Deptt of Personnel & I R (Post temp likely to continue indef) (Resvd for SC to be unreserved if no SC available) Pay—Rs 1500—60—1800 Age—Pref below 45 yrs EQ—II Cl M A in Stat or Maths or Econ or Deg with Maths or Stat as a subject plus dip obtained after 2 yrs post-grad trg in Stat 8 yrs exp in Stat work/investigation/Res in recog instns or Govt Deptts or Commercial concerns of repute & evidence of originality of field work (See stat survey report)

2 One Architect Planner, Town & Country Planning Orgn. Works & Housing Min (Post pmt, apptt on temp basis) Pay—Rs 1300—60—1600—100—1800 Age—45 yrs EQ Deg in Architecture 7 yrs exp in Arch or Town Planning in respon position

3 One Dy Dir (Export Promotion) Indus Dev Min (Post temp likely to continue indef) (Resvd for SC to be resvd for ST if no SC available) Pay—Rs 1100—50—1600 Age—45 yrs EQ M A in Econ or Com with specialisation in Business Adm/Export Promotion 7 yrs exp in respon capacity in Govt or in an industrial/Business concern of repute in the field of Export Promotion

4 One Asstt Dir (Physiology) DG Fasil, Bombay (Post pmt apptt on temp basis) Pay—Rs 1100—50—1600 (Revised) Age—40 yrs EQ—Master's Deg in Physiology 5 yrs exp in the field of Industl Physiology of which 3 yrs in respon position in any Instt of repute or Govt Deptt dealing with similar problems

5 One Head of Geology Div (Indian Photo Interpretation Instt) Surv of India, Deptt of Sc & Tech (Post pmt) Pay—Rs 1100—50—1400 (Pre revised) Age—45 yrs EQ—M Sc in Geol 10 yrs res and/or teaching exp in Geol with special ref to Geol Surv & knowledge of technical ques of Photo interpretation for Geol Survs

6 One Sr Tech Officer D'te of Prod & Inspec (Naval), Def Min (Post temp likely to continue indef, and made pmt eventually) (Resvd for SC) Pay—Rs 700—50—1250 (Likely to be revised) Age—45 yrs EQ—Deg in Elect Engg with 5 yrs pract exp in operation/repair/maintenance/ design of Elect Power machinery & equipment

7 One Suptt in the Data Processing Div, National Sample Surv Orgn, Planning Min (Post pmt apptt on temp basis), (Resvd for SC) Pay—Rs 550—25—750—EB—30—900 (Revised) Age—35 yrs EQ—M A in Stat or Maths or Econ or Com (with Stat) Or Deg (with 50% marks) with Maths or Stat or Econ as a subject & Post-grad dip in Stat awarded after 2 yrs trg in recog instn & 2 yrs exp in Data Processing work or card tabulation system

8 One Sr Inv, Office of Asstt Dir, Weights & Measures Bombay (Post temp likely to continue indef) Pay—Rs 550—25—750—EB—30—900 Age—30 yrs EQ—M A in Econ or Com & 3 yrs exp of Econ res/investigation

9 One Lecturer in Civil Engrg Punjab Engrg College Chandigarh (Post temp likely to continue indef) (Resvd for SC) Pay—Rs 400—30—700/40—1100 Age—35 yrs EQ—II Cl Deg in Civil Engrg with emphasis on Soil Mechanics & foundation Engrg/Highways Engrg/Irrigation & hydraulics

Posts Nos 10 to 12 in the Min of Agri

10 One Dir (Central Cattle Breeding Farm) Dhamrod (Post temp likely to continue indef) Pay—Rs 1100—50—1400 Age—45 yrs EQ—Deg in Agri/Animal Husb/Dairying/Vet Sc Post-grad deg in Animal Genetics & 7 yrs exp of management of dairy Farms in respon capacity

11 One ST 1 (Agri Dev), D'te of Arecanut & Spices Dev (Post temp likely to continue and made pmt eventually) Pay—Rs 550—25—750—EB—30—900 (Revised) Age—35 yrs EQ—Deg in Agri 2 yrs exp of Agri res/Dev or extension work

12 One ST 4 (Agri Dev), D'te of Jute Dev (Post temp) (Resvd for SC) Pay—Rs 550—25—750—EB—30—900 Age—40 yrs EQ—Deg in Agri 2 yrs exp of Agri Res/Dev or extension work

Posts Nos 13 & 14 in the Health & F P Min

13 One Dy Controller of Transport (Post temp likely to continue indef) Pay—Rs 1100—50—1600 (Revised) Age—40 yrs EQ—Deg in Mech or Auto Engrg 5 yrs exp in respon capacity in an auto workshop of repute connected both with maintenance, repair & purchase & admin exp in Road Transport Undertaking incl preparation of standard estimates & planning for efficiency

14 One Neuro Surg Safdarjung Hospital, New Delhi (Post temp likely to continue indef) Pay—Rs 600—40—1000—EB—50—1300 plus NPA @ 50% of pay subject to maximum of Rs 600/ p m Age—45 yrs EQ—A recog medical qualification Post-grad quals in Neuro Surgery & 3 yrs work in respon position connected with the speciality of Neuro-Surgery

Posts Nos 15 to 19 in All India Instt of Hygiene & Public Health Calcutta

15 Three Demonstrators (Stat) (Posts pmt apptt on temp basis) (One post resvd for SC) Pay—Rs 550—25—750—EB—30—900 Age—30 yrs EQ—M A in Stat or Maths (with Stat) Or Deg with Stat or Maths & a recog post-grad dip in Stat awarded after 2 yrs trg

16 One AMO (Venereal Diseases) (Post pmt to be filled on temp basis) (Resvd for ST) Pay—Rs 325—15—475—EB—20—575 plus NPA @ 25% of pay p m (Likely to be revised) Age—35 yrs EQ—A recog medical qualification

17 One AMO (TB) (Post pmt to be filled on temp basis) Pay—Rs 325—15—475—EB—20—575 plus NPA @ 25% of pay p m (Likely to be revised) Age—30 yrs EQ—A recog medical qualification

18 Three Demonstrators (Medical) (Microbiology) (Posts pmt to be filled on temp basis) Pay—Rs 325—15—475—EB—20—575 plus NPA @ 25% of pay p m (Likely to be revised) Age—30 yrs EQ—A recog medical qualification Or M Sc in Microbiology with exp of Medical Microbiology/immunology

19 One Field Instructor (Medical) (Post pmt to be filled on temp basis) Pay—Rs 325—15—475—EB—20—575 plus NPA @ 25% of pay p m (Likely to be revised) Age—30 yrs EQ—A recog medical qualification

CORRIGENDA

I One Jt Dir (Legal), Deptt of Company Affairs Law Min (UPSC Advt No 28 item 2 published on 13-7-74) No of posts has since increased from one to two & EQ—(ii) amended for both posts as "12 yrs exp as an Attorney/Legal Practitioner pref in matters connected with It Stock Co or with 12 yrs exp of administering Company Law Legislation in Govt Deptt connected with Admn of Co Act, 1956" (Closing date extended to 4-11-74 (18-11-74 for candidates abroad)

II Four Botanists Botanical Surv of India (UPSC Advt No 30 item 13 published on 27-7-74) Exp amended as "Algae Fungi Bryophytes/Pteridophytes, Angiosperms/Gymnosperms" Closing date extended to 4-11-74 (18-11-74 for candidates abroad)

III Two Civilian Asstt Security Officers R & D Oran Def Min (UPSC Advt No 23 Corri I published on 8-6-74) No

of posts has increased from 2 to 3. The addl post unreserved. Closing date extended to 4-11-74 (18-11-74 for candidates abroad).

Closing date for receipt of applications in Commission's Office: 4th Nov. 74 (18th Nov for candidates abroad, Andaman & Nicobar & Lakshadweep).

"The above gives abridged information of posts etc. For details and application forms, write Secretary, UPSC, New Delhi-110011, with unstamped, self-addressed envelope (23 x 10 cm) giving name of post, item & Advt No

'Age on 1-1-74 (age concessions for displaced persons, SC, ST & Govt servants unless stated otherwise).

*Qualifications relaxable at Commission's discretion

"Higher initial pay may be given according to qualifications

*Application Fee in Indian Postal Order for Rs. 8 (Rs. 2 for SC and ST); candidates abroad pay fee to Indian Embassy.

ABBREVIATIONS

SC—Scheduled Castes; ST—Scheduled Tribes

RESVD—Reserved EQ—Essential Qualifications

A. C. BANDYOPADHYAY, Secy.
Union Public Service Commission

